▪ वर्ष: 1
▪ अंक: 122
▪ पृष्ठ: 8
▪ मूल्य: ₹2.00

दैनिक

ज़ूम न्यूज़ राजस्थान

खबरों की दुनिया में आपका भरोसेमंद साथी

संपर्क करें
9461119998
info@zoomnews.in
www.zoomnews.in

• जयपुर, सोमवार 16 नवम्बर, 2026 • राज्य: 1, जयपुर (राजस्थान) • अंग्रेजी/हिन्दी (द्विभाषिक दैनिक) RNI No.: RJBIL/26/A5611

अमेरिका में बढ़ेगा भारतीय सामानों का दबदबा: चीन समेत दूसरे देशों से कम लगेगा टैक्स

1. चालू वित्त वर्ष के अंत तक व्यापार समझौते के पहले चरण को पूरा करने का लक्ष्य
2. भारत और मिस्र की अर्थव्यवस्थाएं पूरक हैं, मिस्र अफ्रीका का प्रवेश द्वार बनेगा

एजेंसी ▶▶ काहिरा

भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में एक अहम सहमति बनी है। इसके तहत अब अमेरिकी बाजार में भारतीय सामानों को अन्य प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले विशेष तरजीह दी जाएगी।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मिस्र की राजधानी काहिरा में अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान यह महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है।



पीएम मोदी और ट्रंप के बीच बनी थी सहमति

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कुछ महीने पहले ही इस व्यापारिक मुद्दे पर सहमति बन चुकी थी। दोनों देशों ने इसी वर्ष फरवरी में द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण की रूपरेखा को अंतिम रूप दे दिया था। इस समझौते के तहत यह तय हुआ था कि भारतीय उत्पादों पर प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम आयात शुल्क लगाया जाएगा, जिससे अमेरिकी बाजार में भारतीय सामानों की पकड़ मजबूत होगी।

पहला चरण पूरा करने पर दिया जा रहा जोर

हालांकि, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारस्परिक शुल्क (रेसिप्रोकल टैरिफ) को रद्द किए जाने के बाद अमेरिका अपनी टैरिफ नीति में बदलाव कर रहा है। इसी नई नीति और नए टैरिफ ढांचे के विकल्प तलाशे जाने के कारण इस समझौते पर बातचीत को थोड़ा आगे बढ़ाना पड़ा है। फिलहाल, दोनों देश चालू वित्त वर्ष के अंत तक समझौते के पहले चरण को सफलता पूर्वक पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। भारतीय सामानों को वास्तविक लाभ नई तय होने वाली टैरिफ व्यवस्था पर निर्भर करेगा, और इसके साथ ही व्यापक व्यापार समझौते पर भी बातचीत जारी है।

दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध मजबूत

काहिरा दौरे पर पहुंचे पीयूष गोयल ने भारत और मिस्र के बीच व्यापार और निवेश को नई ऊंचाइयां देने पर भी जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे की प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि पूरक हैं। मिस्र की कई आवश्यकताओं को भारत पूरा कर सकता है, जबकि भारत भी मिस्र से कई जरूरी वस्तुओं का आयात कर सकता है। इसके अलावा, सेवा क्षेत्र, स्टार्टअप, अनुसंधान (रिसर्च) और शिक्षा के क्षेत्र में भी आपसी सहयोग बढ़ाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई है। गोयल ने इस बात पर विशेष बल दिया कि अफ्रीका महाद्वीप तक पहुंच बनाने के लिए मिस्र भारत का एक प्रमुख प्रवेश द्वार बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत द्वारा जी-20 की मेजबानी के दौरान अफ्रीकी संघ को इसका स्थायी सदस्य बनाया गया था, जिसकी सराहना अफ्रीकी देशों ने की थी। भारत और अफ्रीका के बीच मजबूत रिश्तों की इस कड़ी में मिस्र की भूमिका अत्यंत अहम है।

मिस्र के कारोबारियों की भारत में गहरी रुचि

दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री की मिस्र के शीर्ष नेतृत्व और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें हुईं। उन्होंने बताया कि मिस्र के एक बड़े कारोबारी समूह ने भारत में निवेश करने के लिए भारी उत्सुकता दिखाई है और लगभग सात से आठ क्षेत्रों विशेषकर शिक्षा और फूड प्रोसेसिंग में निवेश की गहरी इच्छा जताई है। भारत और मिस्र के बीच वस्तुओं के साथ-साथ सेवाओं के व्यापार में भी अभूतपूर्व वृद्धि की संभावनाएं हैं। आने वाले समय में यह रणनीतिक साझेदारी दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को और अधिक सुदृढ़ करेगी।

ब्रीफ न्यूज

सात साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज जीता भारत

माउंट माउंगानुई। भारत ने पांचवें वनडे में न्यूजीलैंड को 22 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 3-1 से अपने नाम कर ली। रविवार को बे ओवल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 42.1 ओवर में 209 रन बनाए। अक्षर पटेल और ईशान किशन ने 46-46 रन की पारियां खेलीं। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 48.1 ओवर में 187 रन पर सिमट गई।



ब्रेक फेल होने के बावजूद 463 किमी दौड़ी वंदे भारत

नई दिल्ली। रेल सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। 24 अक्टूबर को ब्रेकिंग सिस्टम पूरी तरह फेल होने के बावजूद वंदे भारत ट्रेन करीब 463 किलोमीटर तक दौड़ती रही। ट्रेन को झारखंड के हटिया से उत्तर प्रदेश के झांसी तक मालगाड़ी के इंजन की मदद से ले जाया जा रहा था। तब ब्रेक नहीं लगे।



लैंडिंग गियर में खराबी पुणे में इमरजेंसी लैंडिंग

पुणे। गुवाहाटी जा रही इंडिगो की फ्लाइट में रविवार सुबह तकनीकी खराबी आने से पुणे एयरपोर्ट पर फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई। विमान के उड़ान भरने के बाद उसका लैंडिंग गियर (पहिए) अंदर नहीं गया और बाहर ही रह गया। फ्लाइट में चालक दल के सदस्यों सहित कुल 192 लोग सवार थे। पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी सूचना दी।



» अंदर विशेष

▪ 1 रुपए का नोट 30 हजार रुपए में बिका ...पढ़े पेज 2 पर
▪ भागवत बोले- फेसबुक और इंस्टाग्राम भी नशा ...पढ़े पेज 4 पर

प्रधानमंत्री ने जनजातीय गौरव दिवस पर गढ़चिरौली में किया संबोधित

नक्सली हिंसा की एक बड़ी कीमत आदिवासियों ने चुकाई, पिछली सरकारों ने की समाज की उपेक्षा

माओवादी हिंसा खत्म होने के बाद अब स्थिति बदल गई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि नक्सली हिंसा के कारण आदिवासी समुदायों को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में उन्हें मतदान के अधिकार से भी वंचित रखा गया।

पिछली सरकारों ने आदिवासी समुदायों को उनके हाल पर छोड़ दिया था। प्रधानमंत्री ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि पिछली सरकारें उस समय भी मूकदर्शक बनी रहीं, जब माओवादी जबरन बच्चों को उठा ले जाते थे और आदिवासी युवतियों का अपहरण करते थे।

केंद्र सरकार ने एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का आवंटन किया

डिजिटल माध्यम से दिया संबोधन



आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती

अब लोगों को मिल रही सुविधाएं

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र ने आदिवासी क्षेत्रों के विकास को गति देने के लिए 'पीएम-जनमन' योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत एक लाख करोड़ रुपए का आवंटन किया।

18 हजार गांवों तक बिजली पहुंचाई

प्रधानमंत्री ने कहा कि वंचित समुदायों को प्राथमिकता देते हुए 4 करोड़ से अधिक पक्के मकान उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के दशकों बाद भी बिजली से वंचित रहे 18 हजार गांवों तक बिजली पहुंचाई गई है और लोगों को 5 लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा भी दी जा रही है।

170 परियोजनाओं का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2021 में इसी दिन शुरू हुआ जनजातीय गौरव दिवस अब राष्ट्रीय उत्सव का रूप ले चुका है। देशभर में दो लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें करोड़ों लोगों ने भाग लिया। मोदी ने कहा कि इस अवसर पर रविवार को आदिवासी विकास से जुड़ी 170 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, जबकि विभिन्न राज्यों में 70 से ज्यादा परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। इन सभी परियोजनाओं की कुल लागत करीब 30 हजार करोड़ है।

आदिवासी नायकों के बलिदान का उल्लेख किया

उन्होंने बताया कि 100 से अधिक आकांक्षी जिलों और 500 से ज्यादा आकांक्षी ब्लॉक में विशेष विकास अभियान चलाए गए हैं। पीएम धन-धान्य कृषि योजना के तहत कृषि के क्षेत्र में पिछड़े 100 जिलों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समुदायों के योगदान को याद करते हुए कई आदिवासी नायकों के बलिदान का उल्लेख किया, जिनमें खासी पहाड़ियों के तिरोत सिंह, कोल आंदोलन के नेता, सहित अन्य शामिल हैं।

अपनी विरासत और नायकों को गर्व से याद कर रहा देश

प्रधानमंत्री ने कहा, आप सभी लोगों को जनजातीय गौरव दिवस की बहुत-बहुत बधाई। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मैं उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। देश आज अपने आदिवासी नायक और नायिकाओं को गर्व से याद कर रहा है।

राष्ट्रपति समेत दिग्गजों ने दी शुभकामनाएं

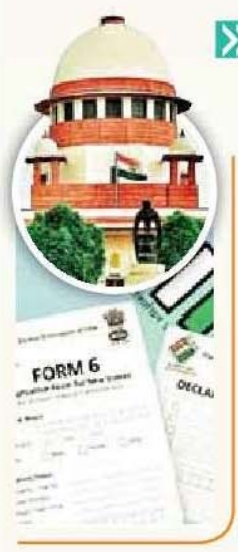
बिरसा मुंडा के जीवन को बताया शौर्य और पराक्रम का प्रतीक



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के शीर्ष नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने एक्स पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी और जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास व योगदान को याद किया। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने श्रद्धांजलि दी।

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में कहा

फॉर्म-6 को भरकर फिर जुड़वा सकेंगे नाम, नहीं होगा एक्शन



मकसद- मौजूदा कमियों को दूर करना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर स्पष्ट किया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान ड्राफ्ट मतदाता सूची से नाम कटने वाले पात्र मतदाता दोबारा आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें फॉर्म-6 भरना होगा और किसी तरह की कानूनी कार्रवाई का डर नहीं रहेगा। आयोग ने कहा कि उसका उद्देश्य सभी पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल करना और मौजूदा कमियों को दूर करना है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे संजीव चतुर्वेदी

भ्रष्टाचार 'उजागर' करने वालों को सुरक्षा दी जाए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के अधिकारी संजीव चतुर्वेदी ने भ्रष्टाचार का खुलासा करने वाले लोगों (व्हिसल ब्लोअर्स) की सुरक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अदालत से ऐसे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित कानूनी व्यवस्था और दिशा-निर्देश बनाने का आग्रह किया है। चतुर्वेदी ने अपनी याचिका में कहा है कि वर्ष 2014 में व्हिसलब्लोअर्स की सुरक्षा के लिए कानून बनाया गया था।


संजीव चतुर्वेदी

ऑक्सफोर्ड यूनियन में किया बड़ा ऐलान

ललित मोदी को मिली ब्रिटिश नागरिकता, बोले- मुझे गर्व है

एजेंसी ▶▶ लंदन

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक ललित मोदी अब आधिकारिक रूप से ब्रिटिश नागरिक बन गए हैं। उन्होंने 14 नवंबर को प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड यूनियन को संबोधित करते हुए दुनिया के सामने यह बड़ी जानकारी साझा की। मोदी ने बताया कि उन्होंने 15 सितंबर, 2026 को यूनाइटेड किंगडम की नागरिकता हासिल कर ली थी, जिसका जश्न उन्होंने अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ मिलकर मनाया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए ललित मोदी ने इस उपलब्धि को अपने जीवन का एक नया और गौरवपूर्ण अध्याय बताया।



तीर्थयात्रा योजना की बसों में सुरक्षा में लापरवाही

पंजाब के मुख्य सचिव को मानवाधिकार आयोग का समन

7 दिसंबर को पेश होने का निर्देश

तरनतारन हादसे में पांच लोगों की मौत और करीब 30 घायल होने के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग सख्त, पहले जारी निर्देशों पर कार्रवाई रिपोर्ट नहीं मिलने से जताई नाराजगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना के तहत संचालित बसों में कथित गंभीर सुरक्षा खामियों को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने इस मामले में पंजाब के मुख्य सचिव को सशर्त समन जारी करते हुए 7 दिसंबर को व्यक्तिगत रूप से अथवा अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

कालभैरव मंदिर में वीआईपी दर्शन पर रोक, गर्भगृह भी बंद

भीड़ नियंत्रित करने प्रशासन का फैसला

500 रुपए की रसीद लेकर भी चार घंटे करना पड़ रहा था इंतजार



उज्जैन। कालभैरव मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने 500 रुपए की वीआईपी दर्शन व्यवस्था पर फिलहाल रोक लगा दी है। इसके साथ ही मंदिर का गर्भगृह भी पूरी तरह बंद कर दिया गया है। यह व्यवस्था दोबारा कब शुरू होगी, इस संबंध में अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। दरअसल, इन दिनों मंदिर में रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इसके चलते दर्शन व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। 500 रुपए की वीआईपी दर्शन रसीद लेने वाले श्रद्धालुओं को भी दर्शन के लिए चार घंटे तक कतार में खड़ा रहना पड़ रहा था। आमतौर पर शनिवार और रविवार को वीआईपी दर्शन व्यवस्था बंद रहती है, लेकिन बढ़ती भीड़ को देखते हुए अब इसे अन्य दिनों में भी बंद रखने का निर्णय लिया गया।

सिख विरोधी दंगों से जुड़े बयान पर नाराज था गैंगस्टर

अमिताभ बच्चन के बंगले 'जलसा' के बाहर फायरिंग की रची साजिश

दो शार्पशूटर गिरफ्तार
दिल्ली के कारोबारी पर भी हमला करने की थी योजना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के मुंबई स्थित बंगले 'जलसा' के बाहर फायरिंग करने की साजिश का खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में दो शार्पशूटरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान पंजाब के जालंधर निवासी विकास ठाकुर और तरनतारन निवासी दीपक सिंह के रूप में हुई है। दोनों विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के लिए काम करते थे और उसे दो अलग-अलग वारदात को अंजाम देने की जिम्मेदारी मिली थी। पुलिस जांच में सामने आया कि बंगले पर गोलीबारी की योजना थी।


दिल्ली पुलिस की गिरफ्त में दोनों आरोपी

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उनके खिलाफ 45 मामले दर्ज

भारत समिट में बोले राहुल गांधी

भारतीय लोकतंत्र वैश्विक धरोहर, इसे बचाना दुनियाभर के लोकतांत्रिक आंदोलनों के लिए बेहद जरूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

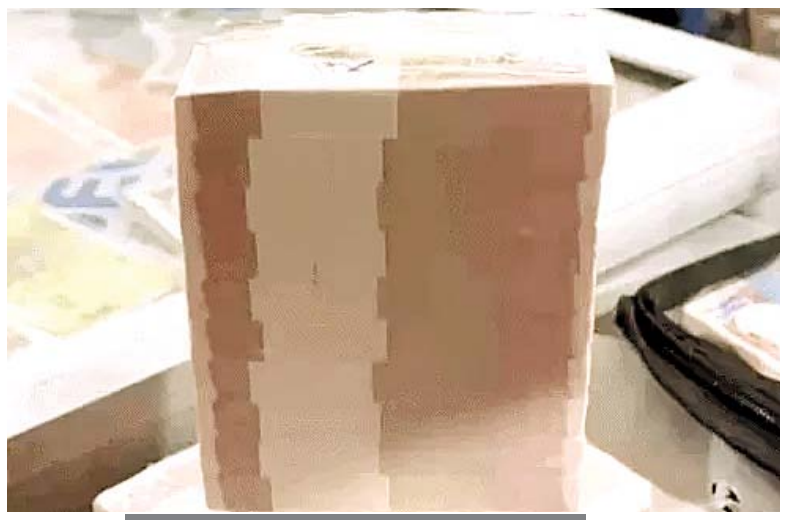
लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भारत का लोकतंत्र एक वैश्विक सार्वजनिक धरोहर है और दुनिया को इसके जीवित रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब कुछ उद्योगपति सरकार के मालिक बन जाते हैं, तो जनता अपनी आवाज खो देती है। कांग्रेस लोकतंत्र को सत्य, अहिंसा और प्रेम के रास्ते बचाएगी, नफरत, डर और गुस्से से नहीं। तेलंगाना के हैदराबाद में प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित भारत समिट में राहुल गांधी ने अपने संबोधन की शुरुआत उन प्रतिनिधियों से माफी मांगते हुए की, जिन्हें भारत सरकार ने कार्यक्रम में शामिल होने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि भारत में लोकतंत्र के सामने किस तरह की चुनौतियां हैं। इस दौरान तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, पार्टी के विदेश मामलों के विभाग के चेयरमैन सलमान खुर्शीद समेत कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौजूद थे। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश में लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि दुनियाभर में फासीवादी ताकतें सच, अहिंसा और प्यार से ही हारेंगी। उन्होंने कहा कि फासीवादी ताकतें चाहे कितनी भी संस्थाओं को नियंत्रित करें, उनके पास कितना भी पैसा हो या वे कितने भी ताकतवर हों, भारत के लोगों से सीधा जुड़ाव उनके किसी भी काम से ज्यादा शक्तिशाली है। उन्होंने कहा कि देश में विपक्ष मोदी सरकार को हराने जा रहा है और यह तय हो चुका है। उन्होंने दिल्ली में हुए प्रदर्शनों का हवाला देते हुए कहा कि इसे देश की सड़कों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डर में रूप में देखा जा सकता है। राहुल गांधी ने कहा कि उनके खिलाफ 45 मामले दर्ज हैं और विपक्ष के कई नेताओं को अलग-अलग राज्यों में कानूनी मामलों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे हालात में कांग्रेस ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकालकर संवाद स्थापित किया।



1 रुपए का नोट 30 हजार रुपए में बिका: 100 के नोट की कीमत 100 गुना; बीकानेर में लगा नोटों-सिक्कों का मेला







जूम न्यूज • बीकानेर

साल 1982 का 1 रुपए का नोट 30 हजार रुपए में बिका। ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया की तस्वीर वाले साल 1939 के सिक्के की 2 लाख रुपए कीमत मिली। 100 रुपए के नोट की कीमत 100 गुना यानी 10 हजार रुपए तक हो गई। आजाद भारत में चलन में आए सोने के सिक्के की कीमत 30 हजार रुपए। इसके अलावा चलन से बाहर 5 पैसे, 10 पैसे और चवन्नी (25 पैसे), अठन्नी (50 पैसे) के सिक्के ढाई सौ रुपए किलो में खरीदे गए। ये सब हुआ 3 दिवसीय बीकाणा मुद्रा महोत्सव में। बीकानेर में 13 से 15 नवंबर तक आयोजित इस मेले में न सिर्फ पुराने बल्कि नए नोट भी बेचे गए। 1 रुपए के नए नोट की 10 गड्डियां 16 हजार रुपए में बिकीं। इसी तरह 2 रुपए की गड्डी, 10-20 रुपए की गड्डी की भी अच्छी कीमत मिली।

मुद्रा महोत्सव के आयोजक सुधीर लुणावत ने बताया- देशभर में पुराने नोट और सिक्कों के नाम पर ठगी होती है। ऐसे में बीकानेर में गंगाशहर रोड स्थित अग्रसेन भवन में सभी लोगों को एक मंच पर लाया गया है। यहां पर लोग सिक्के और नोट लेकर आते हैं। उन्हें कॉइन और नोट कलेक्शन के शौकीन खरीदते हैं। कीमत उस नोट और सिक्के की विशेषता पर निर्भर करती है। यहां जो भी है, वो आमने-सामने है। किसी तरह की ठगी नहीं है।

सुधीर ने बताया- देशभर से करीब 60 शहरों से सिक्कों और नोटों के कलेक्शन के शौकीन व एक्सपर्ट इस महोत्सव में पहुंचे। उन्होंने अपने संग्रह के सिक्कों और नोटों को डिस्प्ले किया। अगर किसी को कोई नोट या सिक्का पसंद आ गया तो उसे बेच भी दिया। कीमत वे खुद तय करते हैं। जहां चलन के सिक्के किलो के भाव खरीदे और बेचे गए हैं। वहीं पुराने और प्रचलन से हट चुके सिक्के भी हजारों रुपए में बिके हैं। खास बात ये है कि यहां पर राजस्थान के राजाओं के सिक्के मिले। पंजाब के राजाओं की ओर से चलाए गए नोट, सिक्कों के साथ मेडल तक बिक्री के लिए उपलब्ध रहे। महोत्सव में बीकानेर के महाराजा रहे गंगा सिंह के चांदी के सिक्के भी खरीदे और बेचे गए। 1 रुपए कीमत के ये सिक्के 11.66 ग्राम चांदी के हैं। सिक्के के वजन की 991.6 परसेंट चांदी है। इस पर महाराजा गंगा सिंह का पोट्रेट है। इस पर लिखा है- 'महाराजाधिराज गंगा सिंह'। आमतौर पर राजपरिवार से ये सिक्के नजराने के रूप में दिए जाते थे। यहां ये सिक्के 10 से 12 हजार रुपए में बिके। कंडीशन के आधार पर सिक्के की रेट तय की गई।

आजाद भारत का सिक्का 30 हजार में

इस महोत्सव में रिपब्लिक इंडिया का एक सिक्का 30 हजार रुपए में बिका है। यह सिक्का भी चांदी का था। इसके वजन के आधार पर रेट तय की गई। वहीं ब्रिटिश इंडिया का सोने का सिक्का 2 लाख रुपए में बेचा गया। अलवर से आए मलकीत सिंह के पास पंजाब के राजाओं के सिक्के और मेडल हैं। वे बताते हैं कि मेरे पास 700 से 800 ईस्वी के समय के सिक्के भी हैं। मुगल बादशाह रहे शाह आलम द्वितीय (1759-1806) के समय के एक रुपए के सिक्के ढाई से तीन हजार रुपए के बीच में बिके। बीकानेर के फड़ बाजार में रहने वाले विनोद देवड़ा ने नब्बे के दशक के सिक्के खरीदे। वे बताते हैं कि उनके पास पहले से सिक्के हैं। आज इनकी कीमत कम है, लेकिन आगे जाकर इनकी रेट बढ़ जाएगी। पिछले साल हुए मुद्रा महोत्सव में भी उन्होंने ऐसे सिक्के खरीदे थे। यहां पुराने, लेकिन अत्यधिक मात्रा में उपलब्ध सिक्के ढाई सौ रुपए किलो में खरीदे गए और तीन सौ रुपए किलो में बेचे गए। बीकानेर के खारा इंडस्ट्रियल एरिया के अध्यक्ष ईश्वरचंद बोथरा ने बताया- मेरे पास सौ-सौ रुपए के पुराने नोट हैं, जिनके आकार बड़े थे। ये आजादी के समय के नोट हैं। 100 रुपए के एक नोट की कीमत 10 हजार रुपए हो गई है। यहां आए लोगों को जब पता चला कि मेरे पास ऐसे नोट हैं तो वे खरीदने के लिए आए।

ब्रीफ न्यूज

राजस्थान के पैरा तैराक सहीराम मेघवाल ने कांस्य पदक जीता

जूम न्यूज • लूणकरणसर

राजस्थान के पैरा तैराक सहीराम मेघवाल ने भोपाल में हुई 26वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप 2026 में कांस्य पदक जीता। उन्होंने



100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक स्पर्धा में यह पदक हासिल किया। सहीराम बीकानेर जिले की लूणकरणसर तहसील के किशनासर गांव के रहने वाले हैं। एक दुर्घटना में उनके दोनों पैर दिव्यांग हो गए थे। इसके बाद उन्होंने तैराकी शुरू की और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। सहीराम कनिष्ठ सहायक (LDC) के पद पर काम करते हैं। सरकारी काम के साथ वे तैराकी में भी हिस्सा लेते हैं। इससे पहले वे राष्ट्रीय और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में कई पदक जीत चुके हैं। उनकी उपलब्धि पर खेल प्रेमियों, शुभचिंतकों और क्षेत्र के लोगों ने बधाई दी।

राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने तमिलनाडु जाएंगे राजस्थान के 3 प्रतिनिधि

जूम न्यूज • सादुलपुर

रक्तदान और जीवन रक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इन्नमा ऑर्गेनाइजेशन के तीन प्रतिनिधि तमिलनाडु के तंजावुर में होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन BloodCon 2026 में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। फैडरेशन ऑफ इंडियन ब्लड डोनर ऑर्गेनाइजेशन की ओर से 28 व 29 नवंबर को आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के रक्तदान संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। संस्था सचिव शहनाज अहमद ने बताया कि चयनित प्रतिनिधि राजस्थान में रक्तदान के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों और अभियानों को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करेंगे। साथ ही विशेषज्ञों से नई तकनीकों और अनुभवों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

नारनौल में गांजा तस्करी का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

जूम न्यूज • नारनौल

हरियाणा के नारनौल में छोटा बड़ा तालाब क्षेत्र से गांजा बरामदगी के मामले में सीआईए टीम ने दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान राजस्थान के झुंझुनू जिले के गांव भालोठ निवासी सुनील कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे 14 नवंबर को गिरफ्तार किया। कोर्ट में पेश करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जिला जेल नसीबपुर भेज दिया गया। डीएसपी मुख्यालय भारत भूषण ने बताया कि इस मामले में 6 अक्टूबर को सीआईए नारनौल की टीम गश्त कर रही थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर थैला लेकर खड़े युवक को काबू किया। उसकी पहचान नारनौल के मोहल्ला फ्रांसखाना निवासी मंगल चौहान के रूप में हुई।

दुबई में सड़क हादसे ने उजाड़े तीन परिवार: चूरू के दांदू गांव के 3 युवकों की मौत, 1 गंभीर घायल; गांव में अंतिम संस्कार

जूम न्यूज • चूरू



दुबई में सड़क हादसे में जान गंवाने वाले चूरू जिले के दांदू गांव के तीन युवकों में से धर्मपाल झाझड़िया और नरेंद्र झाझड़िया का रविवार को गांव में गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले शनिवार को अमीलाल झाझड़िया का शव गांव पहुंचने पर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया था। तीन युवकों की मौत से पूरे गांव में शोक और सन्नाटा पसरा है। हादसे में गंभीर घायल विजेंद्र सिंह का दुबई के अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि पांचवें साथी ओमप्रकाश मेघवाल को मामूली चोट आई थी और वह सुरक्षित है। दांदू निवासी कृष्ण झाझड़िया दुबई के एक होटल में नौकरी करते हैं। उन्होंने बताया कि 1 नवंबर को रविवार की छुट्टी होने के कारण कार ड्राइवर धर्मपाल (40), अमीपाल (40), नरेंद्र (35), विजेंद्र सिंह और ओमप्रकाश मेघवाल को उनके कमरे से निजी कार में कैंप लेकर आए थे। पांचों ने दिनभर कैंप में साथ समय बिताया। शाम को धर्मपाल चारों साथियों को उनकी कंपनी के कमरे पर छोड़ने जा रहे थे। इसी दौरान दुबई के जबजा इलाके में एक मोड़ पर उनकी डस्टर कार ट्रोले से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि अमीपाल, नरेंद्र और धर्मपाल की मौके पर ही मौत हो गई। विजेंद्र सिंह गंभीर घायल हो गए, जबकि ओमप्रकाश को मामूली चोट आई। सभी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना दुबई में ही एक कंपनी में कार्यरत विजेंद्र के बड़े भाई श्रीचंद और धर्मपाल के छोटे भाई कृष्ण को मिली। तीन युवकों की मौत की खबर सुनकर दोनों स्तब्ध रह गए। इसके बाद उन्होंने अस्पताल में भर्ती विजेंद्र की स्थिति की जानकारी ली। घायल विजेंद्र का दुबई के अस्पताल में इलाज जारी है। कृष्ण झाझड़िया ने बताया कि तीनों युवकों के शव भारत लाने की प्रक्रिया धर्मपाल के फूफा के बेटे चूरू निवासी राकेश मील और विजेंद्र के बड़े भाई श्रीचंद ने पूरी करवाई।

हादसे का शिकार हुए युवकों में कोई पहली बार रोजगार की तलाश में दुबई गया था तो कोई वर्षों से वहां काम कर रहा था। अमीलाल करीब सात महीने पहले पहली बार कमाने के लिए दुबई गया था और एक कंपनी में मजदूरी करता था। नरेंद्र भी पहली बार दुबई गया था। वह 24 अक्टूबर को ही वहां पहुंचा था। वहीं धर्मपाल पिछले 11 वर्षों से दुबई की अजीजी कंपनी में बस ड्राइवर के रूप में कार्यरत था। विजेंद्र सिंह छह महीने पहले दुबई की ट्रांसगार्ड कंपनी में काम करने गया था। ओमप्रकाश मेघवाल भी दुबई की एक कंपनी में नौकरी करता है।

परिवार की महिलाओं को बाद में दी गई हादसे की सूचना

ग्रामीणों के अनुसार विजेंद्र का बड़ा भाई श्रीचंद 12 नवंबर की रात दुबई से गांव दांदू पहुंचा था। उसने सबसे पहले परिवार के प्रमुख सदस्यों को हादसे की जानकारी दी। घटना बेहद दर्दनाक होने के कारण परिवार के लोगों ने शुरुआत में महिलाओं को इसकी सूचना नहीं दी। गांव के कुछ लोगों को हादसे के बारे में पहले ही पता चल गया था, लेकिन परिवार को संभालने के लिए खबर को गोपनीय रखा गया। शनिवार को जब अमीलाल का शव गांव पहुंचा, तब परिवार की महिलाओं को भी पूरी घटना की जानकारी दी गई।

उदयपुरवाटी में ब्रह्माकुमारी संस्थान का स्नेह मिलन समारोह आयोजित

जूम न्यूज • उदयपुरवाटी

उदयपुरवाटी में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ओर से रविवार को एक निजी कॉलेज में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आध्यात्मिक संदेश, मेडिटेशन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। नारनौल से आईं क्षेत्रीय प्रभारी रतन दीदी ने दीपावली के आध्यात्मिक महत्व पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि यह पर्व आत्म-ज्योति जगाने, मन का अंधकार मिटाने और जीवन में सुख, शांति, पवित्रता व सकारात्मकता लाने का संदेश देता है। ब्रह्माकुमारी सुनीता दीदी ने मन की स्वच्छता के लिए सकारात्मक सोच और मेडिटेशन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित लोगों को मेडिटेशन का अभ्यास भी कराया। कुमारी नेहा और कुमारी प्रगति ने स्वागत नृत्य और दीपावली नृत्य प्रस्तुत किया। कुमारी गायत्री ने कविता के माध्यम से दीपावली की शुभकामनाएं दीं। सिंघाना से आए दिनेश जांगिड़ ने अपने जीवन के अनुभव साझा किए। कुमारी धृति ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया। समारोह में नगर के नागरिकों, समाजसेवियों, विद्वानों और बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष अनुराधा सैनी रहीं। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व कुलपति डॉ. लोकेश सिंह शेखावत, समाजसेवी एडवोकेट मोतीलाल सैनी, आनंद सैनी, बजरंग लाल सोनी, मूलचंद सैनी, रामावतार गुप्ता और बजरंग लाल स्वामी शामिल हुए। सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ और दुपट्टा देकर स्वागत किया गया।

पुरानी जेल के पास निर्माण को बीडीए ने ध्वस्त किया

जूम न्यूज • बीकानेर

बीकानेर में पुरानी जेल के पास जमीन को लेकर विवाद हो गया है। बीकानेर विकास प्राधिकरण (BDA) ने यहां बन रही दीवार को अवैध मानते हुए तोड़ दिया, वहीं क्षेत्र में रहने वाले ब्राह्मण स्वर्णकार समाज ने इस पर अपना दावा जताया है।

बीडीए ने रविवार को अवकाश के दिन कार्रवाई करते हुए निर्माणाधीन ढांचे को ध्वस्त कर दिया। करीब आधा दर्जन जेसीबी मशीनें मौके पर पहुंची और तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस पर स्वर्णकार ब्राह्मण समाज ने अपना हक जताया है। समाज के लोगों का कहना है कि यह जमीन उनकी है और उनके पास यहां निर्माण करवाने के आदेश भी हैं। इसके बावजूद BDA ने उनकी बात नहीं सुनी और निर्माण हटाने की कार्रवाई कर दी। इस जगह पर पहले भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा चुकी है। इसके बाद अब रात के समय यहां दोबारा निर्माण कार्य करवाए जाने की सूचना BDA की टीम पहुंची और निर्माणाधीन ढांचे को हटाने की कार्रवाई की। करीब दो-तीन बीघा जमीन इस समय करोड़ों रुपए मूल्य की है। इस पर स्वर्णकार ब्राह्मण समाज का दावा है कि जमीन पर उनका अधिकार है और निर्माण के लिए उनके पास आदेश मौजूद हैं। ऐसे में कार्रवाई को लेकर समाज और प्राधिकरण के बीच विवाद की स्थिति बन गई है।

स्मार्ट माहेश्वरी ने जीता माहेश्वरी खेल महोत्सव का खिताब: माहेश्वरी युवा लायंस को 5 विकेट से हराया

जूम न्यूज • नापासर



राजीव गांधी स्टेडियम में रविवार को पांच दिवसीय माहेश्वरी खेल महोत्सव-2026 सीजन-6 का समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में स्मार्ट माहेश्वरी ने माहेश्वरी युवा लायंस को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। नारायण सदानी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट में पांच दिनों तक क्रिकेट के रोमांचक मुकाबले हुए। फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए माहेश्वरी युवा लायंस ने 16 ओवर में 7 विकेट खोकर 103 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्मार्ट माहेश्वरी की टीम ने 12 ओवर और 1 गेंद में 5 विकेट खोकर 107 रन बनाते हुए मुकाबला जीत लिया।

विजेता स्मार्ट माहेश्वरी को 15 हजार रुपए नकद और ट्रॉफी प्रदान की गई। वहीं उपविजेता माहेश्वरी युवा लायंस को 11 हजार रुपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। माहेश्वरी युवा संगठन नापासर के अध्यक्ष महेश पेड़ीवाल ने बताया कि खिलाड़ियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। नारायण सदानी 26.53 अंक के साथ टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमवीपी) चुने गए। उन्होंने 165 रन बनाकर सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार भी हासिल किया। हालांकि, टूर्नामेंट में सर्वाधिक 167 रन राघव झंवर ने बनाए। 10 विकेट लेने वाले जितेन झंवर सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुने गए। उभरते खिलाड़ी के रूप में माहेश्वरी टाइटंस के आयुष झंवर और थार टाइगर्स के देवेश बंग को सम्मानित किया गया। वहीं ओल्ड इज गोल्ड प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार बृजमोहन करनानी को दिया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता देशनोक नगर पालिका अध्यक्ष सरिता मुंधड़ा ने की। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताएं समाज में भाईचारे, अनुशासन और एकता को मजबूत करती हैं। पांच दिवसीय आयोजन माहेश्वरी समाज के युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने के साथ आपसी मेल-मिलाप का मंच प्रदान करता है।

जिला कलेक्टर निशांत जैन ने विजेता खिलाड़ियों को पहनाए मेडल, बोले—खेलों का नया हब बनता जा रहा है बीकानेर

रोमांचक फाइनल मुकाबलों के साथ राज्य स्तरीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप का समापन, जोधपुर बना ओवरऑल चैंपियन

जूम न्यूज • बीकानेर

डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में आयोजित 42वीं राजस्थान राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष एलीट बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026-27 का रविवार को रोमांचक फाइनल मुकाबलों और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ समापन हुआ। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 200 से अधिक मुक्केबाजों ने दस भार वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर निशांत जैन ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी प्रदान की। उन्होंने कहा कि बीकानेर खेलों का नया हब बनता जा रहा है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं से स्थानीय युवाओं को प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से सीखने और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

प्रतियोगिता में ओवरऑल टीम चैंपियनशिप का खिताब जोधपुर ने जीता, जबकि जयपुर दूसरे स्थान पर रहा। झुंझुनूं के देवेंद्र सिंह को बेस्ट बॉक्सर, जोधपुर के कपिल को मोस्ट चैलेंजर तथा अजमेर के लोकेन्द्र को मोस्ट प्रॉमिसिंग बॉक्सर का अवार्ड दिया गया। सभी दस भार वर्गों में स्वर्ण पदक जीतने वाले मुक्केबाज आगामी 10वीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह प्रतियोगिता 21 से 27 दिसंबर तक पटना में आयोजित होगी।



फाइनल मुकाबलों में 47-50 किलो वर्ग में उदयपुर के अमीन अली, 50-55 किलो में चूरू के विकास, 55-60 किलो में जोधपुर के लोकेश, 60-65 किलो में जोधपुर के दक्ष, 65-70 किलो में झुंझुनूं के देवेंद्र, 70-75 किलो में जयपुर के आर्यन, 75-80 किलो में कोटा के पुष्पेंद्र, 80-85 किलो में अजमेर के लोकेन्द्र, 85-90 किलो में दौसा के हर्ष तथा 90 किलो से अधिक वर्ग में बूंदी के जयवर्धन ने स्वर्ण पदक जीते। आयोजन समिति अध्यक्ष दानवीर सिंह भाटी एवं सचिव राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने आयोजन को सफल बताते हुए कहा कि बीकानेर में पहली बार आयोजित इस चैंपियनशिप से स्थानीय खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय मुकाबले देखने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिला। इस दौरान राजस्थान बॉक्सिंग संघ के पदाधिकारी, बीकानेर बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष मकबूल हुसैन सोढ़ा, सचिव योगेश शर्मा सहित अनेक खेलप्रेमी एवं खिलाड़ी मौजूद रहे।

ड्यूटी से लौट रहे दो गार्डों को बंधक बनाकर पीटा

बीकमपुर पावर ग्रिड के अन्य गार्डों पर लगे आरोप

जूम न्यूज • बीकानेर

बीकमपुर पावर ग्रिड में ड्यूटी पूरी कर घर लौट रहे दो सुरक्षा गार्डों को वहां के अन्य गार्डों ने कथित तौर पर बंधक बनाकर पीटा। परिवार ने घटना के सीसीटीवी फुटेज होने का दावा किया। एसपी को परिवाद देने के बाद बज्जू पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस थानाधिकारी चंद्रजीतसिंह भाटी ने बताया कि बीकमपुर निवासी नत्थूराम पुत्र बीरमाराम भाट ने परिवाद दिया है। इसमें बताया गया कि उनका पुत्र चैनाराम और छोटे भाई का पुत्र जीवणराम पावर ग्रिड में सीजी पावर एसआईएस कंपनी के सुरक्षा गार्ड थे।

परिवाद के मुताबिक, 9 नवंबर को दोनों ड्यूटी पूरी कर घर लौट रहे थे, लेकिन तय समय पर नहीं पहुंचे। परिजन उन्हें तलाशते हुए पावर ग्रिड पहुंचे, जहां दोनों युवक ग्रिड के गार्डों के कब्जे में मिले। नत्थूराम ने आरोप लगाया कि दोनों को करीब एक घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया और पीटा गया। परिजनों ने बीच-बचाव कर उन्हें छुड़ाया और घर ले गए। मारपीट में दोनों को चोटें आईं। परिवादी ने आरोप लगाया कि सीसीटीवी फुटेज होने के बावजूद बज्जू थाने में पहले दिए गए लिखित परिवाद पर कार्रवाई नहीं हुई। इसके उलट, उनके पुत्र और भतीजे को ही थाने में गिरफ्तार कर रखा गया।

अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्यः गलताजी में उमड़ा आस्था का सैलाब

ज़ूम न्यूज • जयपुर



लोक आस्था के महापर्व छठ के तीसरे दिन रविवार शाम को गलताजी के पवित्र कुंडों पर आस्था का सैलाब उमड़ा। अरावली की वादियों में दोपहर बाद से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। शाम होते-होते 3 लाख से अधिक लोग गलताजी पहुंच गए। करीब 5:35 बजे सूर्यास्त के समय हजारों व्रतियों ने कमर तक पानी में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया। सिर पर बांस के दउरा (टोकरी) में ठेकुआ, गन्ना, नारियल और मौसमी फल लेकर नंगे पांव चलते पुरुष और पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं के जत्थों से गलता तीर्थ मिनी बिहार जैसा नजर आया। घाटों पर महिलाओं के कांच ही बांस के बहंगिया... जैसे पारंपरिक लोकगीतों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। शनिवार को खरना के बाद से व्रतियों का 36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास जारी है। महापर्व का समापन सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने और पारण के साथ होगा।

शासन की कार्यप्रणाली पर नजर रखने वालों के लिए बीता सप्ताह कुछ अलग रहा। प्रदेश के मुखिया ने एक जनसभा में पुराने मुखियाजी से पूछ लिया कि आखिर आपके नजदीकी वे जनाब हैं कौन, जिनका नाम लेकर खबरनवीसों ने आपको आड़े हाथों लिया था। इस सवाल पर कई चेहरे खिल उठे। वैसे यह नाम प्रशासनिक गलियारों में नया नहीं है। कुछ लोग नाम से तो कुछ उनसे जुड़े किस्सों से परिचित हैं। कई के पास अपने अनुभवों का अलग बहीखाता भी है। बरसों से बंद डिब्बे का ढक्कन खुला तो लगा कि चलो, किसी ने तो शुरुआत की। लेकिन उत्सुकता अब भी बाकी है। लोग चाहते थे कि सवाल के साथ जवाब भी मिलता। अब गलियारों में यही चर्चा है कि डिब्बा तो खुल गया, भीतर का सामान बाहर कब आएगा? पार्टी में एक नेताजी इन दिनों अलग ही बाजीगरी दिखा रहे हैं। संगठन तो पार्टी का है, लेकिन उनके इरादे कुछ समानांतर व्यवस्था चलाने के नजर आते हैं। सियासत की सुर्खियों में बने रहने का हुनर भी उन्हें खूब आता है। कुछ महीने पहले एक अभियान छेड़ा तो पार्टी की राजनीति उनके इर्द-गिर्द घूमने लगी थी। हालांकि, पार्टी मुखिया ने भी ऐसी गति बढ़ाई कि उनकी चाल को अपेक्षित गति नहीं मिल पाई थी। अब नेताजी ने फिर नया दांव चला है, लेकिन इस बार पार्टी पहले से सतर्क है। उधर, दिल्ली दरबार को भी समानांतर सत्ता का शौक कभी रास नहीं आया। वहां तो ऐसी कोशिशों पर बिना देर किए लगाम कसने की परंपरा रही है। अब प्रदेश में बाजीगर की बाजी कितने दिन चलती है, यह देखना दिलचस्प होगा। आखिर एक म्यान में दो तलवारें ज्यादा दिन कहां टिकती हैं!

ब्रीफ न्यूज

कालाडेरा सीएचसी में सीएमएचओ के सामने लोगों का विरोध



ज़ूम न्यूज • कालाडेरा

कालाडेरा राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रविवार को निरीक्षण पर पहुंचे सीएमएचओ जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के सामने स्थानीय लोगों ने अव्यवस्थाओं को लेकर विरोध जताया। लोगों ने चिकित्सकों की कमी का मुद्दा उठाया। महिला चिकित्सक की अनुपस्थिति पर सवाल किए। सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जताई। विभागीय कार्रवाई की मांग रखी। सीएमएचओ ने समस्याएं सुनने के बाद जल्द समाधान का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने जनाना अस्पताल का जायजा लिया। वार्ड देखे। लैब की व्यवस्था परखी। भगवान सहाय सांखला, व्यापार मंडल अध्यक्ष महेश योगी, युवा जनकल्याण संस्था अध्यक्ष शंकर खोज ने बताया कि अस्पताल में नियुक्त महिला चिकित्सक पिछले दो साल से अनुपस्थित है। निजी क्लीनिक संचालित कर रही है। इस संबंध में कई बार शिकायत की गई। ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने खाली पदों पर चिकित्सकों की नियुक्ति की मांग रखी। महिला चिकित्सक लगाने की मांग की। सफाई व्यवस्था सुधारने की मांग रखी। मोर्चरी निर्माण की मांग की। अस्पताल के लिए आपातकालीन गेट की व्यवस्था की मांग रखी। सीएमएचओ ने सीएचसी प्रभारी सरदार सिंह यादव को जनाना अस्पताल को मुख्य भवन में शिफ्ट करने के निर्देश दिए।

लिव-इन में महिलाओं को भरण-पोषण का अधिकार

ज़ूम न्यूज • जयपुर

बिना शादी के लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली महिलाओं को भी कानून के तहत कई महत्वपूर्ण अधिकार मिलते हैं। पुरुष पार्टनर की ओर से क्रूरता, मारपीट या उत्पीड़न होने पर वे कानूनी कार्रवाई कर सकती हैं। पात्रता की शर्तें पूरी होने पर भरण-पोषण भत्ता भी मांग सकती हैं। हाल ही सुप्रीम कोर्ट ने डॉ. लोकेश बी.एच. बनाम कर्नाटक राज्य मामले में लिव-इन संबंधों में महिलाओं के कानूनी अधिकारों से जुड़े पहलुओं पर विचार किया। घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 के तहत विवाह जैसे संबंधों में रहने वाली महिलाओं को शारीरिक, मानसिक, मौखिक, यौन और आर्थिक प्रताड़ना से कानूनी संरक्षण मिल सकता है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 85-86 में क्रूरता से जुड़े प्रावधान हैं। लंबे समय तक पति-पत्नी की तरह साथ रहने के बाद पुरुष पार्टनर रिश्ता तोड़ दे तो महिला कानूनी शर्तें पूरी होने पर भरण-पोषण मांग सकती है। हालांकि, हर लिव-इन संबंध में यह अधिकार स्वतः नहीं मिलता।

टीन मिस राजस्थान के ऑडिशनः रैंप पर दिखा टीन गर्ल्स का कॉन्फिडेंस

ज़ूम न्यूज • जयपुर



प्रदेश के छोटे शहर से निकलकर देश-दुनिया में राजस्थान का नाम रोशन करने का हौसला लेकर पहुंची गर्ल्स ने रैम्प पर कॉन्फिडेंस दिखाते हुए रैंपवॉक की। मॉडल बनने का आत्मविश्वास और एक्टर बनने का सपना लिए हुए गर्ल्स 'टीन मिस राजस्थान' के जयपुर ऑडिशन में रविवार को होटल प्राइम सफारी में पहुंचीं। ऑडिशन में 13 से 19 साल की प्रतिभागियों ने रैम्प वॉक से लेकर सवालों के जवाब दिए। कई प्रतिभागियों के लिए यह पहला मौका था, जब वे किसी प्रोफेशनल मंच पर रैम्प वॉक कर रही थीं, लेकिन उनके उत्साह और आत्मविश्वास में कहीं कोई कमी नजर नहीं आई। ऑडिशन में केवल रैम्प वॉक और बाहरी व्यक्तित्व ही नहीं, बल्कि प्रतिभागियों की सोच, कम्युनिकेशन स्किल्स और आत्मविश्वास को भी परखा गया। सवाल-जवाब के दौर में जब उनसे उनके सपनों और भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछा गया तो अलग-अलग शहरों से आई गर्ल्स ने अपने अंदाज में जवाब दिए। किसी ने कहा कि वह मॉडलिंग और एक्टिंग की दुनिया में अपना करियर बनाना चाहती है, तो किसी ने फैशन डिजाइनिंग और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने की इच्छा जताई। कुछ प्रतिभागियों ने कहा कि वे छोटे शहरों से आती हैं, लेकिन उनके सपने छोटे नहीं हैं। उन्हें विश्वास है कि सही मंच और मार्गदर्शन मिले तो वे भी बड़े मुकाम हासिल कर सकती हैं। एक प्रतिभागी ने कहा- मैं ऐसी पहचान बनाना चाहती हूं, जिससे मेरे शहर की दूसरी लड़कियों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिले।

ग्रूमिंग और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट पर रहेगा फोकसः टीन मिस राजस्थान की फाउंडर डायरेक्टर एकता जैन ने बताया- इसमें प्रदेश की 13 से 19 वर्ष की किशोरियों को ऐसा मंच उपलब्ध करवाना रहा, जहां वे प्रतिभा को पहचान सकें और उसे बेहतर तरीके से प्रस्तुत करना सीखें। चयनित प्रतिभागियों को देश के जाने-माने ग्रूमर्स, ट्रेनर्स और फैशन इंडस्ट्री के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में ग्रूमिंग और ट्रेनिंग सेशन दिए जाएंगे। इसमें पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, कम्युनिकेशन स्किल्स, आत्मविश्वास और मंच पर प्रस्तुति देने जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आयोजन से जुड़े ग्रूमर्स एवं ट्रेनर्स यतेंद्र नेगी, निर्मला सेवानी, मिस राजस्थान के आयोजक योगेश मिश्रा एवं निमिषा मिश्रा, फैशन फोटोग्राफर नरेंद्र सामोदा, शैलजा सुरी और राघव गोयल सहित अन्य विशेषज्ञ प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे। जयपुर ऑडिशन के जूरी पैनल में मिस राजस्थान की पूर्व विजेताओं एवं रनरअप्स के साथ फाउंडर डायरेक्टर एकता जैन और आयोजक निमिषा मिश्रा शामिल रहीं।

शादी अब कॉन्ट्रैक्ट की तरह देखी जाती हैः जन्म-जन्मांतर के संस्कार वाली सोच बदलीः हाईकोर्ट

16 साल की शादी आपसी सहमति से खत्म की

ज़ूम न्यूज • जयपुर

राजस्थान हाईकोर्ट ने पति-पत्नी की आपसी सहमति से 16 साल पुरानी शादी को खत्म कर दिया है। जस्टिस सुदेश बंसल और जस्टिस अनुरूप सिंघी की अदालत ने यह आदेश फैमली कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर पत्नी की अपील को निस्तारित करते हुए दिया। कोर्ट ने कहा- हिंदू मैरिज एक्ट में धारा-13बी (आपसी सहमति से तलाक) जुड़ने के बाद अब हिंदू विवाह के जन्म-जन्मांतर के संस्कार होने की पुरानी धारणा में मौलिक बदलाव आया है। अब शादी को एक अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) के तौर पर देखा जाता है। जिसे पक्षकार (पति-पत्नी) आपसी सहमति से शुरू कर सकते हैं। रिश्ता न चले तो आपसी सहमति से समाप्त भी कर सकते हैं। फैमिली कोर्ट ने पति के वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना (पहले जैसी स्थिति) की याचिका को स्वीकार करते हुए पत्नी को उसके साथ रहने के आदेश दिए थे। जिसे पत्नी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। लेकिन हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान दोनों ने आपसी सहमति से तलाक का प्रार्थना पत्र दायर किया।

कोर्ट का कर्तव्य-पक्षकारों की पीड़ा को समझे

इस मामले में अदालत के सामने मुख्य कानूनी सवाल यह था कि क्या धारा-9 (वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना) के खिलाफ लंबित अपील को सीधे धारा-13बी (आपसी सहमति से तलाक) की याचिका में परिवर्तित किया जा सकता है? इस पर कोर्ट ने कहा- वैवाहिक मुकदमे एक विशेष श्रेणी में आते हैं। अदालतों का यह कर्तव्य है कि वे पक्षकारों की पीड़ा और मानसिक कष्ट को समझे। वहीं ऐसे मामलों को समाप्त करने के लिए समझौते को प्राथमिकता दें।

आपसी सहमति से होने वाले तलाक में अर्जी दायर करने के बाद 6 महीने की कूलिंग-ऑफ अवधि गुजारना जरूरी है। लेकिन हाईकोर्ट ने कहा कि दोनों करीब 7 साल से अलग रह रहे हैं। इनके आपसी सुलह के सभी प्रयास विफल हो चुके हैं। ऐसे में 6 महीने की प्रतीक्षा केवल इनकी पीड़ा को और अधिक बढ़ाएगी। ऐसे में अदालत ने 6 महीने की प्रतीक्षा अवधि को माफ कर दिया। 16 साल पहले दोनों की शादी 5 फरवरी 2010 को हुई थी। उनके एक 15 साल का बेटा भी है। दोनों दिसंबर 2019 से अलग रह रहे हैं। फैमली कोर्ट-1, अजमेर ने 7 अगस्त 2025 को पति की वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना याचिका पर उसके पक्ष में फैसला देते हुए पत्नी को उसके साथ रहने के आदेश दिए थे। इसके खिलाफ पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। अपील के लंबित रहने के दौरान ही दोनों मध्यस्थता (मीडिएशन) और परिजनों के प्रयासों से आपसी सहमति से तलाक लेने पर सहमत हो गए और 8 अक्टूबर 2026 को एक संयुक्त आवेदन हाईकोर्ट में पेश किया।

ज्वेलरी फैक्ट्री के स्ट्रॉन्ग रूम में घुसे बदमाशः गहने चोरी किए

ज़ूम न्यूज • जयपुर

जयपुर की एक ज्वेलरी फैक्ट्री के स्ट्रॉन्ग रूम में घुसकर बदमाशों ने कीमती गहने और उसमें रखे अन्य आइटम चोरी कर लिए। बदमाशों ने दीवार में बड़ा छेद कर वारदात को अंजाम दिया। घटना के दौरान फैक्ट्री का गार्ड छुट्टी पर गया हुआ था। दरअसल, बंद फैक्ट्री के स्ट्रॉन्ग रूम को काटकर बदमाश अंदर घुसे थे। सांगानेर सदर थाने में पीड़ित ज्वेलर पार्टनर की ओर से FIR दर्ज करवाई गई है।

सांगानेर सदर थाने के SI धर्मवीर ने बताया कि श्याम नगर के रहने वाले अजय शंकर खंडेलवाल (62) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया गया कि वह शंकर ज्वेल्स कंपनी में पार्टनर है। सांगानेर सदर के सीतापुरा में कंपनी की फैक्ट्री है। जिसमें कीमती गहनों और आइटमों को बनाने का काम किया जाता था। फैक्ट्री परिसर में कीमती गहनों और आइटमों को सुरक्षित रखने के लिए स्ट्रॉन्ग रूम बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे फैक्ट्री में बने स्ट्रॉन्ग रूम की जांच की गई। चेक करने पर स्ट्रॉन्ग रूम को अनजान व्यक्तियों की ओर से काटना पाया गया। जिसे काटकर स्ट्रॉन्ग रूम में बदमाश घुसकर अंदर रखे कीमती गहने और आइटमों की चोरी कर ले गए।

पिछले 6-7 महीने से छुट्टी पर था सिक्योरिटी गार्ड

SI धर्मवीर ने कहा कि सितम्बर-2025 में फैक्ट्री बंद हो गई थी। कंपनी की ओर से फैक्ट्री लॉक कर एक सिक्योरिटी गार्ड को तैनात किया गया था। पिछले करीब 6-7 महीने से सिक्योरिटी गार्ड की तबीयत खराब होने पर वह भी छुट्टी पर चला गया था। पिछले करीब 14 महीने बाद कंपनी के अधिकारियों की ओर से बंद फैक्ट्री की जांच की गई। जांच के दौरान एक खिड़की का कांच टूटा मिला। उसकी ग्रील भी हटी हुई मिली। उन्होंने बताया कि 6 फीट ऊंचा और 4 फीट चौड़ा स्ट्रॉन्ग रूम को किसी चीज से काटा गया है। स्ट्रॉन्ग रूम में 1x1.6 फीट का बड़ा छेद किया गया है। स्ट्रॉन्ग रूम में रखे कीमती आभूषण और आइटमों के चोरी का शक जाहिर किया गया है।

सीएम बोले-पिछली सरकारें टेबलेट-स्कूटी-यूनिफॉर्म में घोटाला करती थीः कहा- मिल मालिक के पास पहुंचकर बोलते थे... हमें क्या देगा

ज़ूम न्यूज • जयपुर



जयपुर में सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि पहले की सरकारें टेबलेट भी देती थी तो उसमें घोटाला कर देती थी। स्कूटी देती तो कंपनी के पास पहुंच जाती थी। इतना ही नहीं, यूनिफॉर्म देती थी तो मिल मालिक के पास पहुंच जाती थी और बोलती थी कि बोल हमें क्या देगा। हम तुझसे ले लेंगे।

सीएम भजनलाल ने कहा- हमने वह काम बंद कर दिया, पैसा सीधा खाते में देते हैं। हम उस भ्रष्टाचार को भी खत्म करना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे किसान, मजदूर, पशुपालक और उनके बेटे-बेटी को सरकार की योजनाओं का पूरा फायदा मिले और वह फायदा लगातार मिल भी रहा है। सीएम रविवार को मुख्यमंत्री आवास पर जनजातीय गौरव दिवस राज्यस्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस देश में सबसे ज्यादा उनका राज रहा है। जिन्होंने इस देश में भ्रष्टाचार किया है, लेकिन आज हमें सदियों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जैसा नेतृत्वकर्ता मिला है। जिन्होंने हमारी जनजाति क्षेत्र की बहन को देश का राष्ट्रपति बनाने का काम किया है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- आज भी कुछ लोग युवाओं को भ्रमित कर रहे हैं। उनको भटकाने का काम करते हैं। मैं युवाओं से कहना चाहता हूं कि वह आपके मित्र नहीं हैं। आपके सच्चे हितैषी आपके माता-पिता हैं। आपको ऐसे लोगों के चक्कर में नहीं आना है। आपने देखा है, पिछली सरकारों में क्या स्थिति होती थी। माता-पिता के सपने चूर-चूर हो जाते थे। युवा खून के आंसू रोते थे। जो पेपर होते थे, वह लीक हो जाते थे। क्या आपने 3 साल में कोई भी पेपर लीक देखा है।

सीएम भजनलाल ने कहा- पिछले तीन साल में 410 परीक्षाएं हुई हैं, लेकिन एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। हमने कहा था कि पांच साल में 4 लाख सरकारी नौकरियां देंगे। 1.93 लाख नियुक्तियां दे चुके हैं। 70 हजार प्रक्रियाधीन हैं। 1.25 लाख की वैकेंसी निकाल दी है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि हमने 4 लाख के लिए कहा था, लेकिन 5 साल में उससे ज्यादा सरकारी नौकरियां देंगे, उससे कम नहीं देंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा- डबल इंजन की सरकार ने तीन सालों में जनजातीय समुदाय के विकास के लिए लगभग 3 हजार 200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। वहीं 10 आश्रम छात्रावास, 3 आवासीय विद्यालय, एक नया खेल छात्रावास और 250 नए मां-बाड़ी केंद्र खोले गए हैं।

पीएम जनमन योजना के तहत बारां जिले के सहरिया क्षेत्र में 15 हजार 233 आवासों, 23 संपर्क सड़कों, 15 नए बहुद्देश्यीय केंद्रों का निर्माण और 51 वन-धन केंद्र गठित किए गए हैं। वहीं, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से प्रदेश के 6 हजार 235 गांवों के लगभग 55 लाख जनजातीय लोगों के जीवन स्तर में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय किसानों को सशक्त बनाने के लिए निशुल्क संकर मक्का बीज मिनी किट कार्यक्रम के तहत 25 लाख से अधिक मिनी किट बांटे गए हैं।

किरण लापता, कानोता थाने में गुमशुदगी दर्ज

ज़ूम न्यूज • जयपुर



कानोता इलाके के माली की कोठी, बगराना स्थित खण्डेलवाल वाटिका निवासी 55 वर्षीय नीलाम्बर झा ने मानसिक रूप से कमजोर पत्नी किरण देवी की गुमशुदगी दर्ज कराई है। किरण देवी 6 नवंबर की सुबह 6 बजे घर से बिना बताए निकल गईं। सीसीटीवी में वह सुरंग से पैदल जयपुर की ओर जाती दिखीं और आखिरी बार नवल किशोर सर्किल (अम्बेडकर भवन) के पास देखी गईं। गेहूंआ रंग, 5.3 फीट कद वाली किरण लाल-पीली साड़ी और गाजरी शॉल पहने हैं। हेड कांस्टेबल नरेश कुमार मामले की जांच कर रहे हैं।

जयपुर में युवक के पेट में कैंची घोंपीः कहासुनी के बाद हुआ था झगड़ा

ज़ूम न्यूज • जयपुर



जयपुर के एक मैरिज गार्डन में शनिवार रात कहासुनी के बाद दो युवकों में झगड़ा हो गया। झगड़े में गुस्साए एक युवक ने दूसरे के पेट में कैंची घोंप दी। घायल युवक को गंभीर हालत में SMS हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया। ज्योति नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर हमलावर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया- शास्त्री नगर के नाहरी का नाका निवासी आमीर अहमद (28) पर जानलेवा हमला हुआ। वह शादी प्रोग्राम में तंदूर लगाने का काम करता है। वह शनिवार शाम अपने साथी अंसार व मोहम्मद ग्यास के साथ वेदा मैरिज गार्डन में काम करने गया था। गार्डन में फ्लोवर डेकोरेशन का काम गोपाल नाम का व्यक्ति कर रहा था।

रात करीब 8 बजे कामकाज के दौरान गोपाल खाने में डालने वाले कलर की डिब्बी उठा ले गया। इस बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। झगड़ा होने पर गुस्साएं गोपाल ने हाथ में लगी कैंची को आमीर के पेट में घोंप दिया। कैंची से दो बार वार करने से आमीर जमीन पर गिर गया। लहूलुहान हालत में गिरे देखकर हमलावर गोपाल मौके से फरार हो गया। गार्डन में काम करने वाले साथियों ने गंभीर हालत में आमीर को SMS हॉस्पिटल में एडमिट करवाया। मेडिकल सूचना पर ज्योति नगर थाना पुलिस हॉस्पिटल पहुंची। पुलिस ने घायल आमीर के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज किया। पुलिस फरार हमलावर की तलाश कर रही है।

मोहन भागवत बोले- फेसबुक और इंस्टाग्राम भी नशाः अंग्रेजों ने हमारी शिक्षा खत्म की, अपनी हम पर लाद गए, इसलिए हम गरीब होते गए





जूम न्यूज • जोधपुर

जोधपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा- नशा कोई भी हो खराब होता है। इंस्टाग्राम और फेसबुक भी प्रसिद्धि का नशा होता है। भागवत ने कहा- ब्रिटिशर्स ने हमारी शिक्षा खत्म कर दी और अपनी शिक्षा हम पर लाद दी। इसलिए हमारे सम्पन्न लोग गरीब हो गए। ब्रिटिशर्स ने हमारे देश को एक प्रकार से नशे में डाल दिया। ब्रिटिश शासनकर्ताओं ने देख लिया कि हमारी सत्ता यहां संरक्षित नहीं है। जब तक ये होश में हैं, इन्हें जीतना संभव नहीं है। इन्हें बेहोश कर दो। मोहन भागवत ने ये बातें रविवार को शिकारपुरा स्थित श्रीराजाराम आश्रम में चल रहे मरूनिनाद कार्यक्रम के समापन पर कही। इस शिविर में 5 हजार से ज्यादा स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। मोहन भागवत ने कहा- नशा कोई भी हो घातक होता है। नशा केवल केमिकल ड्रग्स नहीं, चाय-कॉफी भी व्यसन बन जाते हैं। उन्होंने कहा- इंस्टाग्राम और फेसबुक के साथ प्रसिद्धि का भी नशा होता है। हम धर्मपरायण देश हैं। पूरी दुनिया को परोपकार से जोड़ने का हमारा स्वभाव रहा है। आक्रमणकारी एक के बाद एक जो नशे लाए हैं, उस स्थिति में भी हम परोपकार को नहीं भूले हैं। भागवत ने कहा- एक ही आह्वान करूंगा, समय बड़ा नाजुक है, लेकिन एक साथ खड़े हुए तो समय की बाजी मार लेंगे। संघ की शाखा में आने से संघ के हो जाएंगे। यदि शाखा में नहीं आ सकते तो दायित्व निभा सकते हैं। कई काम हैं उसमें आइए.. या ऐसा करने वालों की सहायता कीजिए। यदि ऐसा नहीं हो सकता है तो आप अपनी जगह पर जो कर रहे हो, वो निस्वार्थ होकर देश का सोचकर कीजिए। संघ का एक ही लक्ष्य है, भारत माता की जय। जब समाज खड़ा होता है तो असंभव काम भी सिद्ध हो जाते हैं। कार्यक्रम के पीछे यही अर्थ है कि परिस्थिति और कर्तव्य को ध्यान में रखते हुए अपने काम कीजिए।

भागवत ने कहा- एक ही आह्वान करूंगा, समय बड़ा नाजुक है, लेकिन एक साथ खड़े हुए तो समय की बाजी मार लेंगे। संघ की शाखा में आने से संघ के हो जाएंगे। यदि शाखा में नहीं आ सकते तो दायित्व निभा सकते हैं। कई काम हैं, उसमें आइए.. या ऐसा करने वालों की सहायता कीजिए। यदि ऐसा नहीं हो सकता है तो जो आप अपनी जगह पर कर रहे हो, वो निस्वार्थ होकर देश का सोचकर कीजिए। संघ का एक ही लक्ष्य हैः भारत माता की जय। जब समाज खड़ा होता है तो असंभव काम भी सिद्ध हो जाते हैं। कार्यक्रम के पीछे ये ही अर्थ है कि परिस्थिति और कर्तव्य को ध्यान में रखते हुए अपने काम कीजिए। सरसंघचालक ने कहा- जब संघ शुरू हुआ और शारीरिक कार्यक्रम की शुरुआत हुई तो बैंड की जरूरत थी। स्वयंसेवकों ने रण संगीत का निर्माण किया था। उसके मन में स्वाभिमान का भाव जगता है। वे बोले- सभी ने अच्छा संगीत बजाया तो सभी ने तारीफ की, लेकिन इन्हें आज धन्यवाद नहीं दिया जाएगा। बल्कि ये बताया जाएगा कि इन्होंने क्या गलती की है। हम सभी को साथ लेकर चलना है। मुझे अकेले को नहीं, सभी को अच्छा करना है। सारे समाज में अपनापन व्याप्त होना चाहिए। छोटे-छोटे अहंकार मिट जाने चाहिए। संगठन की शक्ति ही विजयशाली होती है। कौरव आपस में लड़ते थे। पांडव मिल-जुलकर चले। ऐसा नहीं कि पांडव में विवाद नहीं हुआ, लेकिन उन्होंने अपनी एकता को ध्यान में रखा। भारत सभी के आशा का निदान है। अपने स्वार्थ के लिए भारत को बड़ा भी नहीं बनने देना चाहते हैं। भारत को बांटने और आपस में लड़ाने का काम कर रहे है। वही आसुरी शक्ति फिर से कर रही है। हमें हमारी एकता का स्मरण करते हुए शक्ति बनी रहे। ये सभी आरएसएस करता है।

ब्रीफ न्यूज

रानीखेत ट्रेन का आज से बदलेगा समय, जोधपुर से 15 मिनट पहले रवाना होगी

जूम न्यूज • जोधपुर

जैसलमेर-काठगोदाम रानीखेत एक्सप्रेस का संचालन समय सोमवार से बदल जाएगा। नई समय सारणी के अनुसार ट्रेन जोधपुर रेलवे स्टेशन से अब सुबह 8:30 बजे के बजाय 8:15 बजे रवाना होगी। यानी 15 मिनट पहले प्रस्थान करेगी। सीनियर डीसीएम हितेश यादव के अनुसार ट्रेन संख्या 15013 जैसलमेर-काठगोदाम एक्सप्रेस जोधपुर में सुबह 8:20 बजे के बजाय 8:05 बजे पहुंचेगी। जैसलमेर से ट्रेन अब रात 2:40 बजे के बजाय 2:15 बजे रवाना होगी। संशोधित समय के अनुसार पोकरण में सुबह 3:35 बजे, रामदेवरा में 4:17 बजे, फलोदी में 4:55 बजे और लोहावट में 5:30 बजे पहुंचेगी। राईकाबाग स्टेशन पर सुबह 7:48 बजे और जोधपुर में 8:05 बजे आगमन होगा। जोधपुर से रवाना होने के बाद ट्रेन भगत की कोठी में सुबह 8:30 बजे, लूणी में 9:05 बजे और पाली मारवाड़ में 9:40 बजे पहुंचेगी। मारवाड़ जंक्शन पर नया आगमन समय सुबह 10:20 बजे और प्रस्थान समय 10:40 बजे रहेगा। जयपुर में ट्रेन दोपहर 2:55 बजे पहुंचेगी और 3:05 बजे रवाना होगी।

गहलोत ने जेजेएम का पैसा खाया, मंत्री जेल गए, वे चोरों के सरगनाः दिलावर

जूम न्यूज • जोधपुर

राज्य सरकार पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को उनके घर जोधपुर में घेर रही हैं। शुरूआत 13 दिन पहले 3 नवंबर को जोधपुर आए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की थी। उन्होंने गहलोत पर खाद-बीज की दुकान खोलकर किसानों को लूटने के आरोप लगाए थे। और अब प्रदेश के शिक्षामंत्री व जोधपुर प्रभारी मदन दिलावर ने गहलोत को चोरों को सरगना बताया है। रविवार को जोधपुर आए दिलावर



से सर्किट हाउस में गहलोत के जल जीवन मिशन पर जारी किए गए वीडियो पर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि उनके पास यही काम बच गया। उन्होंने कुछ काम तो किया है नहीं। सारा पैसा जलजीवन मिशन में खा गए और वो कह रहे हैं कि काम फाइलों में हो रहा है। चोर सलाह दे रहे हैं। अच्छी बात है उनको सद्बुद्धि आई है, लेकिन सारे चोरों के सरगना तो वही थे। कांग्रेस सरकार ने कितना पैसा कहां-कहां खाया है, वो सब पता है। कितनी बार उनके पीएचईडी मंत्री जेल गए हैं । उन्हीं के एक आरपीएससी के सदस्य ने कहा है कि मैं तो डेढ़ करोड़ देकर आया हूं। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की किताब पर प्रतिक्रिया देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि किताब में लिखा है कि बाबरी ढांचा ढह रहा था तो उनकी आंखों में आंसू थे। हिंदुओं को अपमानित करने के लिए इस प्रकार की बातें कह रहे हैं। इनके आंसू तब नहीं आए जब 1990 में 6 लाख हिंदुओं को मारकाट व लूटमार करके कश्मीर में बेघर कर दिया था। दिल्ली में सिखों और पहलगाम में पर्यटक को मारने पर भी आंसू नहीं आए थे। कसाब को फांसी होने वाली थी तो कांग्रेस ने रात को 12 बजे सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे खटखटाए। कांग्रेस आतंकवादियों की संरक्षक है।

योग-आयुर्वेद और भारतीय प्राचीन ज्ञान पर हुई चर्चाः ओम आश्रम में हुआ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 200 विशेषज्ञों ने की शिरकत

जूम न्यूज • पाली



पाली जिले के जाडन स्थित ओम आश्रम में शनिवार को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। इसमें देश-विदेश के करीब 200 विशेषज्ञों ने भाग लिया। सम्मेलन में भारतीय प्राचीन ज्ञान, परंपराओं, आधुनिक जीवनशैली, योग और आयुर्वेद पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने विभिन्न सत्रों में अपने विचार रखें। सेमिनार देर शाम तक चला। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समन्वयक एवं ओम आश्रम के सचिव कपिल अग्रवाल ने बताया- राजस्थान की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई ऊंचाई देने के उद्देश्य से 14 और 15 नवंबर को इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। 'बेहतर आज और कल के लिए प्राचीन ज्ञान' विषय पर आयोजित सम्मेलन में योग और आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ, जागरूक एवं सार्थक जीवन की अवधारणा पर देश-विदेश के विशेषज्ञ अपने विचार साझा कर रहे हैं।

यह सम्मेलन महामंडलेश्वर स्वामी महेश्वरानंद की प्रेरणा से और ओम आश्रम के उत्तराधिकारी महामंडलेश्वर स्वामी अवतार पुरी के सानिध्य में आयोजित हो रहा है। सम्मेलन में भारत सहित विभिन्न देशों के करीब 200 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इनमें प्रख्यात विद्वान, योग विशेषज्ञ, आयुर्वेदाचार्य, चिकित्सक और शोधकर्ता शामिल हैं। सभी भारतीय प्राचीन ज्ञान-विज्ञान की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। इस सम्मेलन का आयोजन विश्वदीप गुरुकुल स्वामी महेश्वरानंद आश्रम और रिसर्च सेंटर की ओर से किया जा रहा है। इसमें राजस्थान सरकार का आयुर्वेद विभाग, मुनि फैकल्टी, चेक गणराज्य, आयुर्वेद अकादमी ऑफ योग इन डेली लाइफ और भारतीय संस्कृति दर्शन ट्रस्ट, पुणे सहयोगी हैं। इस आयोजन से राजस्थान में योग, आयुर्वेद और भारतीय पारंपरिक ज्ञान के प्रचार-प्रसार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है। सम्मेलन में डॉ. विष्णुदत्त शर्मा (जोधपुर), डॉ. विनिता देसमुख (पुणे), प्रोफेसर मार्टिन रेपको (चेक गणराज्य), मांगीलाल गर्ग (जोधपुर), महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी (जयपुर), प्रोफेसर चंदन सिंह, स्वपनिल कोठारी (इंदौर), डॉ. प्रशांत (पुणे), प्रोफेसर विश्वासु (जयपुर), एलिना फिलकोवा (चेक गणराज्य), विक्रम चंदन (एमडी आयुर्वेद, चंडीगढ़) और लक्ष्मीनारायण इस्टेपोन (ऑस्ट्रिया) सहित कई विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए।

किराणा का सामान चोरी करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

दुकान-गोदाम का ताला तोड़कर घुसे थे, बेचे गए माल को पुलिस ने बरामद किया

जूम न्यूज • बाड़मेर

बाड़मेर जिले की धनाऊ पुलिस ने दुकान और गोदाम में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चुराया गया किराणा सामान भी बरामद कर लिया है। आरोपियों ने 10 दिन पहले रात के समय दुकान और गोदाम के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से जिले में हुई अन्य चोरी की वारदातों को लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार धनाऊ निवासी गौतमचंद जैन ने थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में बताया कि 4-5 अक्टूबर की रात चोरों ने सांवा कस्बे में स्थित उनकी दुकान और गोदाम के ताले तोड़ दिए। इसके बाद अंदर घुसकर किराणा का सामान चुराकर ले गए। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मौका मुआयना किया। एसपी चूनाराम जाट ने बताया कि चोरी की वारदात का खुलासा करने के लिए एएसपी नीतेश आर्य और डीएसपी जेठाराम जयपाल के सुपरविजन में धनाऊ थाने की टीम बनाई गई। टीम ने चोरी की जगह से सबूत जुटाए और आसपास के लोगों से पूछताछ की। इसके आधार पर चोरों को ट्रेस किया गया।

बेच दिया था चुराया हुआ सामान

पुलिस टीम ने सांवा निवासी नाजाराम मेघवाल पुत्र लाखाराम को डिटेन कर गहनता से पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। उसने बताया कि चुराया गया सामान सांवा निवासी बनाराम पुत्र राउराम को बेच दिया था। इसके बाद पुलिस ने नाजाराम और बनाराम दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर चुराया गया किराणा सामान भी बरामद कर लिया गया। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

जालोर के 10 वुशू खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन

जूम न्यूज • जालोर

जालोर में रविवार को आयोजित 12वीं जिला स्तरीय सीनियर वुशू प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अलग-अलग भारवर्ग में मुकाबले खेले। प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर 6 महिला और 4 पुरुष सहित कुल 10 खिलाड़ियों का जयपुर में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया। चयनित खिलाड़ी 27 से 30 नवंबर तक होने वाली 20वीं राज्य स्तरीय सीनियर वुशू प्रतियोगिता में जालोर का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम में आईएएस नव चयनित डिम्पल चौहान ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और वुशू को बेटियों के लिए आत्मरक्षा का उपयोगी खेल बताया।

जिला वुशू संघ के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता की अध्यक्षता संघ के संरक्षक दलपत सिंह आर्य ने की, जबकि कनिष्क चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। जिला वुशू संघ के महासचिव कन्हैया लाल मिश्रा ने बताया कि डिम्पल चौहान ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में पढ़ाई के साथ खेलों का भी महत्वपूर्ण स्थान है।

पिंडवाड़ा में बुखार से दो मासूमों की मौतः सुबह ही बिगड़ी थी तबीयत

जूम न्यूज • सिरोही

सिरोही की पिंडवाड़ा तहसील क्षेत्र के काला महादेव खेड़ा की छतरियां फली में बुखार आने के बाद एक ही परिवार के दो बच्चों की मौत हो गई। दोनों को सुबह बुखार आया था, जिसके बाद उनकी तबीयत तेजी से बिगड़ गई। परिवार के एक अन्य सदस्य की भी तबीयत खराब होने पर उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई है। जानकारी के मुताबिक, मनीष कुमार (10) और जमुना कुमारी (4) को सुबह बुखार आया। कुछ ही समय में दोनों की तबीयत बिगड़ गई और बाद में उनकी मौत हो गई। मनीष, फकीरा राम का बेटा था। दोनों बच्चों की मौत से परिवार में शोक छा गया। परिवार के एक अन्य सदस्य आती राम, जो फकीरा राम के बेटे हैं, की तबीयत भी बिगड़ गई। उन्हें उपचार के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज शुरू किया गया। चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पूरे घटनाक्रम की सूचना दी गई।

युवा विरासत महोत्सव का पोस्टर जारी

जूम न्यूज • सिरोही

सिरोही में युवा कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष निकेश रावल के नेतृत्व में रविवार को युवा विरासत महोत्सव का पोस्टर जारी किया। इस महोत्सव के तहत 19 नवंबर तक कार्यक्रम होंगे। ये कार्यक्रम पंडित जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की जयंती के मौके पर आयोजित किए जा रहे है। महोत्सव में पोस्टर विमोचन, निबंध और भाषण प्रतियोगिताएं होंगी। पंडित जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के जीवन, विचारों और योगदान पर वीडियो भी दिखाए जाएंगे।

बिस्मिल की रूहानी आवाज ने जीता जयपुर का दिलः 'पिया घर आया' और 'काली काली जुल्फों' जैसे गीतों पर झूमे संगीतप्रेमी

जूम न्यूज • जयपुर



सूफी गायक बिस्मिल ने अपनी दमदार आवाज और खास अंदाज से संगीत प्रेमियों को सुरों की एक अलग ही दुनिया में पहुंचा दिया। जी स्टूडियोज में आयोजित 'बिस्मिल की महफिल' में संगीत, शायरी और रूहानियत का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने दर्शकों के लिए इस शाम को यादगार बना दिया। जी लाइव की प्रमुख लाइव एंटरटेनमेंट प्रॉपर्टी सुपरमून की ओर से आयोजित इस कॉन्सर्ट में बड़ी संख्या में संगीत प्रेमियों ने शिरकत की।

महफिल की खासियत बिस्मिल की गायकी का वह अंदाज रहा, जिसमें पारंपरिक सूफी संगीत की गहराई के साथ समकालीन संगीत की ऊर्जा भी महसूस हुई। उनकी आवाज में मौजूद ठहराव, सुरों की पकड़ और गीतों को अपनी शैली में पेश करने के अंदाज ने श्रोताओं को बांधे रखा। कार्यक्रम के दौरान जब उन्होंने 'पिया घर आया', 'काली काली जुल्फें', 'हल्का हल्का सुरूर' और 'सांसों की माला' जैसे लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति दी तो पूरा माहौल सुरमयी हो गया। कई मौकों पर दर्शक भी उनके साथ गीत गुनगुनाते नजर आए। श्रोताओं की तालियों और उत्साह ने महफिल की रौनक को और बढ़ा दिया।

यह आयोजन केवल गीतों की प्रस्तुति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें शायरी और संगीत के जरिए भावनाओं को अभिव्यक्त करने का भी अंदाज देखने को मिला। सूफी संगीत की खासियत ही यही है कि इसमें प्रेम, इबादत, आध्यात्मिकता और जीवन के गहरे एहसास एक साथ महसूस किए जा सकते हैं। बिस्मिल ने अपनी प्रस्तुतियों के जरिए इसी भाव को श्रोताओं तक पहुंचाया। उनकी गायकी में जहां एक ओर सूफियाना रंग दिखाई दिया, वहीं दूसरी ओर आधुनिक संगीत की लय और प्रस्तुति ने युवा श्रोताओं को भी आकर्षित किया।

पुणे के बाद जयपुर बना टूर का दूसरा पड़ाव

'बिस्मिल की महफिल' इंडिया टूर का जयपुर दूसरा पड़ाव रहा। इससे पहले पुणे में इस टूर का पहला शो आयोजित किया गया था। जयपुर के बाद यह संगीत यात्रा हैदराबाद पहुंचेगी, जहां 28 नवंबर को कॉन्सर्ट होगा। इसके बाद 24 दिसंबर 2026 को इंदौर और 16 जनवरी 2027 को अहमदाबाद में प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं मुंबई और दिल्ली में होने वाले कार्यक्रमों की तारीखों की घोषणा जल्द की जाएगी।

नागौरः स्कूल में घुसकर खिलाड़ियों को पीटा

जूम न्यूज • नागौर

नागौर में आयोजित 70वीं 14 वर्षीय छात्र-छात्रा राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आए श्रीगंगानगर जिले के खिलाड़ियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। देर शाम आयोजन स्थल बड़ली स्कूल परिसर में कुछ युवक घुस गए और खिलाड़ियों से कहासुनी के बाद मारपीट शुरू कर दी। घटना में श्रीगंगानगर निवासी खिलाड़ी इकनूर के दोनों पैरों में चोट आई है। फिलहाल कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

खेल प्रभारी लक्ष्मीनारायण ने बताया- बड़ली स्कूल में ही प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यहीं पर श्रीगंगानगर जिले के 14 वर्ष आयु वर्ग के छात्र खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था भी की गई थी। इसी दौरान कुछ युवक स्कूल परिसर में घुस गए।

2.50 किलो अफीम दूध की तस्करी मामला

3 साल से फरार 20 हजार रुपए का इनामी गिरफ्तार

जूम न्यूज • जोधपुर

डांगियावास थाना पुलिस ने अफीम के 2 किलो 50 ग्राम दूध की तस्करी मामले में करीब तीन साल से फरार 20 हजार के इनामी आरोपी अंबाराम (38) को गिरफ्तार किया। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। पुलिस ने रविवार को उसे देचू से जोधपुर आ रही बस में दबोच लिया।

पुलिस कमिश्नर अंशुमन भोमिया और डीसीपी (पूर्व) मनीष कुमार चौधरी के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। डांगियावास थानाधिकारी राजूराम काला ने बताया कि 12 फरवरी 2024 को दर्ज एनडीपीएस मामले में अंबाराम भादू वांछित था। जांच में सामने आया कि उसने आरोपी रामस्वरूप से 2 किलो 50 ग्राम अफीम का दूध मंगवाया था। 12 फरवरी 2024 को रामस्वरूप के पकड़े जाने के बाद से ही अंबाराम फरार हो गया था।

उसकी गिरफ्तारी पर डीसीपी (पूर्व) की ओर से 20 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। वह अलग-अलग जगहों पर रहकर पुलिस से बच रहा था। अंबाराम डांगियावास थाने के टॉप-10 वांछित अपराधियों में शामिल था। रविवार को पुलिस को उसके देचू से बस में जोधपुर आने की सूचना मिली। इस पर टीम ने बस में तलाश कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

हर 3 साल में म्यूचुअल फंड स्कीम बदलना समझदारी या बड़ी गलती

● सिर्फ पिछले एक या तीन साल के रिटर्न को देखकर फंड बदलने से बचें● रोलिंग रिटर्न बताता है बाजार के अलग-अलग दौर में स्कीम का प्रदर्शन● जल्दबाजी में स्विच करने से कंपाउंडिंग, टैक्स और अतिरिक्त शुल्क पर असर

निवेश मंत्रा

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले कई लोग एक आम गलती करते हैं। वे हर दो-तीन साल में अपना पोर्टफोलियो देखते हैं और जिस स्कीम का रिटर्न कम दिखाई देता है, उसे बेचकर उस फंड में पैसा लगा देते हैं जिसने हाल के वर्षों में बेहतर प्रदर्शन किया हो। पहली नजर में यह फैसला समझदारी भरा लग सकता है, लेकिन बार-बार फंड बदलने की यह आदत लंबे समय में निवेश के नतीजों को प्रभावित कर सकती है। इसकी वजह है बाजार के प्रदर्शन को समझने में जल्दबाजी, स्विच करने का खर्च और कंपाउंडिंग पर पड़ने वाला असर। निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि किसी म्यूचुअल फंड का पिछला रिटर्न उसके भविष्य के प्रदर्शन की गारंटी नहीं होता। बाजार में तेजी के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाली स्कीम अगले कुछ वर्षों में कमजोर भी रह सकती है। इसी तरह किसी फंड का एक-दो साल तक पीछे रहना यह साबित नहीं करता कि उसकी निवेश रणनीति खराब हो गई है। इसलिए केवल एक निश्चित अवधि के रिटर्न के आधार पर निवेश का फैसला लेने के बजाय फंड के प्रदर्शन की निरंतरता देखना जरूरी है।



इक्विटी और डेट फंड के कर नियम अलग हो सकते हैं। निवेश की अवधि और निकासी की तारीख के आधार पर भी कर देनदारी बदलती है। इसलिए हर तीन साल में फंड बदलने से पहले एग्जिट लोड और टैक्स की गणना जरूर कर लें। केवल सकल रिटर्न की तुलना करना पर्याप्त नहीं है।

बार-बार फंड बदलने से कैसे घट सकता है मुनाफा?

मान लीजिए कोई निवेशक हर महीने 15 हजार रुपये की एसआईपी करता है और इसे 15 साल तक जारी रखता है। इस दौरान उसका कुल निवेश 27 लाख रुपये होगा। यदि निवेश को लंबे समय तक बनाए रखा जाए और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिले, तो दिए गए उदाहरण के अनुसार फंड की सकल कीमत करीब 71.39 लाख रुपये हो सकती है। दूसरी स्थिति में निवेशक हर तीन साल में फंड बदलता है। इस दौरान फंड बेचने और नई स्कीम में निवेश करने के बीच का अंतर, बाजार की टाइमिंग और संभावित शुल्क उसके नतीजे को प्रभावित कर सकते हैं। उदाहरण में बार-बार स्विच करने की स्थिति में सकल फंड मूल्य करीब 66.42 लाख रुपये माना गया है। दोनों स्थितियों में लगभग 4.97 लाख रुपये का अंतर दिखाई देता है। म्यूचुअल फंड से पैसा निकालने या एक स्कीम से दूसरी में जाने पर एग्जिट लोड लग सकता है। इसकी दर और अवधि संबंधित स्कीम के नियमों पर निर्भर करती है। इसके अलावा, यूनिट बेचने पर होने वाले लाभ पर लागू कर भी निवेश के अंतिम मूल्य को प्रभावित करता है।

ट्रेलिंग रिटर्न और रोलिंग रिटर्न में क्या है अंतर

फंड का प्रदर्शन जांचने के लिए आमतौर पर ट्रेलिंग रिटर्न और रोलिंग रिटर्न दो तरीके इस्तेमाल किए जाते हैं। ट्रेलिंग रिटर्न किसी एक तारीख से पीछे की ओर एक निश्चित अवधि का प्रदर्शन बताता है। उदाहरण के लिए, आज से पिछले तीन साल में किसी फंड ने कितना सालाना रिटर्न दिया, यह उसका तीन साल का ट्रेलिंग रिटर्न होगा। इसमें केवल दो तारीखों के बीच का प्रदर्शन शामिल होता है। इसलिए बाजार की तेजी या गिरावट का उस पर काफी असर पड़ सकता है। इसके विपरीत, रोलिंग रिटर्न अलग-अलग तारीखों से शुरू होने वाली समान निवेश अवधियों का प्रदर्शन दिखाता है। मान लीजिए किसी फंड का तीन साल का रोलिंग रिटर्न देखना है। इसके लिए अलग-अलग तारीखों पर निवेश शुरू करके अगले तीन साल के रिटर्न की गणना की जाती है। इससे पता चलता है कि बाजार के अलग-अलग दौर में फंड ने कैसा प्रदर्शन किया। निवेशक यह समझ पाते हैं कि स्कीम ने केवल किसी एक अनुकूल अवधि में अच्छा रिटर्न दिया है या अलग-अलग परिस्थितियों में भी प्रदर्शन की निरंतरता बनाए रखी है।

तीन निवेशकों का उदाहरण समझिए

मान लीजिए तीन दोस्तों ने एक ही म्यूचुअल फंड में अलग-अलग वर्षों में निवेश किया। पहले दोस्त ने जनवरी 2021 में निवेश किया और जनवरी 2024 में पैसा निकाला। उसे सालाना 15 प्रतिशत रिटर्न मिला। दूसरे ने जनवरी 2022 में निवेश किया और जनवरी 2025 में निकासी की। बाजार की परिस्थितियों के कारण उसका रिटर्न 10 प्रतिशत रहा। तीसरे दोस्त ने जनवरी 2023 में निवेश शुरू किया और जनवरी 2026 में पैसा निकाला। उसे 14 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिला। तीनों अवधियों के रिटर्न का साधारण औसत करीब 13 प्रतिशत बैठता है। यह उदाहरण बताता है कि अलग-अलग समय पर निवेश करने वालों को एक ही फंड से अलग नतीजे मिल सकते हैं। हालांकि, वास्तविक रोलिंग रिटर्न का आकलन केवल तीन अवधियों का औसत निकालकर नहीं किया जाता।

कब बदलना चाहिए म्यूचुअल फंड?

फंड बदलने का फैसला केवल इस आधार पर नहीं करना चाहिए कि किसी दूसरी स्कीम ने पिछले एक साल, तीन साल या हाल की अवधि में उससे अधिक रिटर्न दिया है। म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय छोटी अवधि के उतार-चढ़ाव और रिटर्न की तुलना के बजाय फंड के लगातार प्रदर्शन और उसकी निवेश रणनीति को समझना ज्यादा जरूरी है। सबसे पहले यह देखना चाहिए कि संबंधित फंड लगातार अपने बेंचमार्क और समान श्रेणी की दूसरी स्कीमों के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन तो नहीं कर रहा है। यदि ऐसा है तो यह भी समझना जरूरी है कि इसके पीछे बाजार की परिस्थितियां हैं या फंड प्रबंधन की रणनीति में कोई कमी है। क्या फंड मैनेजर बदला है? क्या निवेश की रणनीति, पोर्टफोलियो या प्रमुख कंपनियों में हिस्सेदारी में बड़ा बदलाव आया है? इसके अलावा यह भी जांचना चाहिए कि फंड का जोखिम स्तर आपकी वित्तीय जरूरतों, निवेश के उद्देश्य और निवेश अवधि के अनुरूप है या नहीं।



कर्ज चुकाने में आगे, फिर भी महिला उद्यमियों को ऋण मिलने में बाधाएं

- महिलाओं के कारोबार ऋण में 2017 से 7.5 गुना वृद्धि
- कर्ज चुकाने का रिकॉर्ड भी बेहतर; इसके बावजूद केवल 4% महिला कारोबारी इकाइयों के पास ओवरड्राफ्ट सुविधा
- संपत्ति के दस्तावेज व डिजिटल पहुंच की कमी रुकावट

कर्ज-असमानता

महिलाएं कारोबार शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने में लगातार अपनी क्षमता साबित कर रही हैं। ऋण लेने के बाद उसे समय पर चुकाने के मामले में भी उनका रिकॉर्ड बेहतर है। इसके बावजूद महिला उद्यमियों को कारोबार के विस्तार के लिए पर्याप्त कर्ज नहीं मिल पा रहा है। यह स्थिति बताती है कि समस्या केवल महिलाओं की आर्थिक क्षमता या ऋण चुकाने की योग्यता की नहीं, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था और कर्ज आकलन की प्रक्रिया में मौजूद संरचनात्मक बाधाओं की भी है। नीति आयोग और ट्रांसयूनियन सिबिल की अप्रैल 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के कुल संस्थागत ऋण में महिलाओं की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है। महिला कारोबारियों का ऋण पोर्टफोलियो 2017 के मुकाबले 7.5 गुना बढ़ा है। इसके बावजूद कारोबार के नाम पर ऋण लेने वाली महिलाओं की संख्या सीमित बनी हुई है।

बेहतर भुगतान का रिकॉर्ड

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में ऋण लेने वाली महिलाओं के ऐसे कर्ज की चूक दर, जिनकी किस्त 90 दिन या उससे अधिक समय से बकाया थी, कुल औसत चूक दर की तुलना में केवल 0.7 गुना रही। इसका अर्थ है कि महिला कर्जदारों का भुगतान रिकॉर्ड तुलनात्मक रूप से बेहतर रहा है। इसके बावजूद महिला उद्यमियों को बड़े ऋण और कारोबार चलाने के लिए जरूरी कार्यशील पूंजी हासिल करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई महिलाएं अपने कारोबार के लिए व्यक्तिगत ऋण, सूक्ष्म वित्त और मुद्रा योजना पर निर्भर हैं। इनसे छोटे स्तर पर कारोबार शुरू करने में मदद मिल सकती है, लेकिन कारोबार का विस्तार करने के लिए अधिक राशि, लचीली ऋण सुविधा और नियमित कार्यशील पूंजी की जरूरत होती है। यहां महिलाओं की पहुंच सीमित दिखाई देती है। इस अंतर का एक उदाहरण ओवरड्राफ्ट सुविधा है। अप्रैल 2026 तक केवल लगभग 4 प्रतिशत महिला स्वामित्व वाली कारोबारी इकाइयों के पास ओवरड्राफ्ट की सुविधा थी, जबकि सभी कारोबारों में यह अनुपात करीब 40 प्रतिशत था।

संपत्ति और दस्तावेजों की कमी बन रही बाधा

बैंक आमतौर पर ऋण देने से पहले संपत्ति, आय, वित्तीय रिकॉर्ड और कारोबार की स्थिति का आकलन करते हैं। महिलाओं के मामले में इन मानकों पर कई व्यावहारिक मुश्किलें सामने आती हैं। परिवार की संपत्ति अक्सर पुरुष सदस्यों के नाम पर होती है। ऐसे में महिला उद्यमी के पास कारोबार के लिए गिरवी रखने योग्य संपत्ति नहीं होती। इसके अलावा कई महिला संचालित कारोबार अनौपचारिक रूप से चलते हैं, जहां नियमित लेखा-जोखा, ऑडिट और आय से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध नहीं होते।

डिजिटल रिकॉर्ड से खुल सकते हैं नए रास्ते

अब ऋण देने की प्रक्रिया में डिजिटल वित्तीय रिकॉर्ड की भूमिका बढ़ रही है। मार्च 2025 में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को ऋण देने के लिए डिजिटल आकलन की व्यवस्था शुरू की गई। इसमें वस्तु एवं सेवा कर रिटर्न, आयकर रिटर्न और बैंक विवरण जैसे आंकड़ों के आधार पर कारोबार की वित्तीय स्थिति समझने में मदद मिलती है। इससे पारंपरिक संपत्ति आधारित आकलन के विकल्प तैयार हो सकते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और निजी संस्थाएं भी आंकड़ों पर आधारित ऋण आकलन को बढ़ावा दे रही हैं। किनारा कैपिटल की 'हर विकास' जैसी पहल इसी दिशा में काम कर रही है। हालांकि, डिजिटल व्यवस्था अपने आप में सभी समस्याओं का समाधान नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, ऋणों की संख्या के लिहाज से महिलाओं को केवल 19.8 प्रतिशत ऋण मिले, जबकि कुल संस्थागत ऋण में उनकी हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है।

मोबाइल इंटरनेट की कमी भी बन रही चुनौती

डिजिटल वित्तीय सेवाओं तक पहुंच के लिए मोबाइल और इंटरनेट का इस्तेमाल जरूरी है। जीएसएमए के 2024 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 75 प्रतिशत महिलाओं के पास मोबाइल फोन हैं, जबकि पुरुषों में यह अनुपात 85 प्रतिशत है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि केवल 37 प्रतिशत महिलाएं मोबाइल इंटरनेट का इस्तेमाल करती हैं। स्मार्टफोन, डिजिटल भुगतान और बैंकिंग सेवाओं तक सीमित पहुंच के कारण महिलाओं के वित्तीय लेनदेन का डिजिटल रिकॉर्ड भी अधूरा रह जाता है। ऐसे में बैंक और ऋण देने वाली संस्थाएं यदि केवल डिजिटल लेनदेन और ऑनलाइन वित्तीय रिकॉर्ड के आधार पर कर्ज की पात्रता तय करती हैं तो महिलाओं के सामने नई बाधा खड़ी हो सकती है। इसके लिए ऋण आवेदन, वित्तीय प्रबंधन और बैंकिंग सेवाओं को सरल बनाना होगा।

कर्ज के साथ कारोबार पर नियंत्रण भी जरूरी

महिला उद्यमियों के वित्तीय समावेशन का अर्थ केवल उनके नाम पर ऋण स्वीकृत करना नहीं है। कई बार कर्ज महिला के नाम पर लिया जाता है, लेकिन उसका इस्तेमाल और कारोबार से जुड़े फैसले परिवार के पुरुष सदस्य करते हैं। ऐसी स्थिति में ऋण चुकाने की जिम्मेदारी महिला पर रहती है, जबकि धन के इस्तेमाल पर उसका वास्तविक नियंत्रण नहीं होता। इसलिए बैंकों, सरकार और वित्तीय संस्थाओं को महिला उद्यमियों के नाम पर अलग कारोबारी बैंक खाते, व्यक्तिगत यूपीआई पहचान और नियमित वित्तीय रिकॉर्ड बनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। संयुक्त संपत्ति के दस्तावेजों को भी पात्र परिस्थितियों में गिरवी के रूप में स्वीकार करने पर विचार किया जा सकता है।

टैक्स बचाने को ईएलएसएस फंड सही निवेश से पहले जान लें नफा नुकसान

- पुरानी टैक्स व्यवस्था में 80सी के तहत सालाना 1.5 लाख तक की कटौती का लाभ
- तीन साल का लॉक-इन; शेयर बाजार में निवेश होने से रिटर्न की गारंटी नहीं
- पांच से सात साल का नजरिया रखना बेहतर

जानकारी

टैक्स बचाने के साथ निवेश बढ़ाने की योजना बना रहे लोगों के लिए इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) म्यूचुअल फंड एक विकल्प हो सकता है। इसकी खासियत यह है कि इसमें निवेश करने पर पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत आयकर अधिनियम की धारा 80सी के अंतर्गत कटौती का लाभ मिल सकता है। साथ ही, इसमें तीन साल का लॉक-इन होता है, जो कई दूसरी टैक्स बचत योजनाओं की तुलना में कम है। हालांकि, केवल टैक्स बचाने के उद्देश्य से ईएलएसएस में पैसा लगाना सही रणनीति नहीं है। निवेश से पहले इसके बाजार जोखिम, लॉक-इन और अपनी वित्तीय जरूरतों को समझना जरूरी है। ईएलएसएस की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें निवेश की गई राशि पर पुरानी टैक्स व्यवस्था में सालाना अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का दावा किया जा सकता है। लेकिन यह सीमा केवल ईएलएसएस के लिए अलग से नहीं है। कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ), जीवन बीमा प्रीमियम और धारा 80सी के तहत आने वाले अन्य पात्र निवेश भी इसी सीमा में शामिल होते हैं। इसलिए यदि किसी व्यक्ति ने इन माध्यमों से पहले ही 1.5 लाख रुपये की सीमा का इस्तेमाल कर लिया है तो ईएलएसएस में अतिरिक्त निवेश करने से 80सी के तहत अलग से टैक्स लाभ नहीं मिलेगा। नई टैक्स व्यवस्था चुनने वाले अधिकांश करदाताओं को धारा 80सी की कटौती का लाभ नहीं मिलता। ऐसे में निवेश करने से पहले यह देखना जरूरी है कि आप किस टैक्स व्यवस्था के तहत रिटर्न दाखिल कर रहे हैं और पुरानी व्यवस्था में 80सी की कितनी सीमा पहले ही इस्तेमाल हो चुकी है। टैक्स बचत की गणना किए बिना केवल फंड की लोकप्रियता देखकर निवेश करना नुकसानदेह हो सकता है।



3 वर्ष का लॉक-इन, लेकिन मुनाफे की गारंटी नहीं

ईएलएसएस फंड में प्रत्येक निवेश की राशि पर तीन साल का लॉक-इन लागू होता है। यानी जिस तारीख को निवेश किया गया है, उस निवेश की यूनिट तीन साल पूरे होने से पहले नहीं निकाली जा सकतीं। एसआईपी के जरिये निवेश करने वालों को यह बात विशेष रूप से समझनी चाहिए। हर किस्त का लॉक-इन अलग-अलग होता है। उदाहरण के लिए, जनवरी में लगाई गई किस्त तीन साल बाद जनवरी में निकासी के योग्य होगी, जबकि फरवरी की किस्त का लॉक-इन अगले महीने पूरा होगा। पीपीएफ में निवेश की अवधि 15 साल और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) में पांच साल होती है। इसकी तुलना में ईएलएसएस का तीन साल का लॉक-इन कम है। यही वजह है कि टैक्स बचाने के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहने वाले लोगों के बीच यह लोकप्रिय विकल्प है। लेकिन तीन साल बाद पैसा निकालने की सुविधा का अर्थ यह नहीं है कि तीन साल में अच्छा रिटर्न मिलना तय है।

शेयर बाजार का जोखिम समझना जरूरी : ईएलएसएस एक इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड श्रेणी है। इसमें निवेश की गई राशि का बड़ा हिस्सा शेयर बाजार में लगाया जाता है। बाजार में तेजी आने पर फंड का मूल्य बढ़ सकता है, लेकिन गिरावट के समय निवेश की कीमत घटने का जोखिम भी रहता है। इसलिए इसे निश्चित ब्याज देने वाली बैंक एफडी या छोटी बचत योजनाओं के समान नहीं समझना चाहिए। यदि किसी निवेशक को अगले दो-तीन साल में घर खरीदना है, बच्चों की फीस चुकानी है या किसी अन्य जरूरी खर्च के लिए रकम चाहिए तो केवल टैक्स बचाने के लिए ईएलएसएस में निवेश करना उचित नहीं होगा। इस फंड को कम से कम पांच से सात साल या उससे अधिक की निवेश अवधि को ध्यान में रखकर देखना बेहतर है।

नवंबर 2026 के लिए छह ईएलएसएस फंडों पर नजर

- केनरा रोबेको ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- मिराए एसेट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- इनवेस्को इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- डीएसपी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

फंड चुनते समय किन बातों की करें जांच

ईएलएसएस फंड चुनते समय केवल पिछले एक या तीन साल का रिटर्न देखना पर्याप्त नहीं है। यह भी जांचना चाहिए कि अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में फंड ने कैसा प्रदर्शन किया है। क्या उसने अपने बेंचमार्क और समान श्रेणी के दूसरे फंडों की तुलना में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है? बाजार में गिरावट के दौरान उसमें कितनी कमी आई? जोखिम के अनुपात में कितना अतिरिक्त रिटर्न मिला? इन सवालों के जवाब निवेश का फैसला लेने में मदद कर सकते हैं। फंड के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए रोलिंग रिटर्न, प्रदर्शन की निरंतरता और गिरावट के दौरान हुए नुकसान जैसे पैमानों को देखना उपयोगी है। अंततः ईएलएसएस में निवेश का फैसला केवल टैक्स बचत के आधार पर नहीं होना चाहिए। पहले अपनी टैक्स व्यवस्था और 80सी की उपलब्ध सीमा देखें। फिर निवेश की अवधि, बाजार जोखिम और जरूरत के समय पैसे की उपलब्धता पर विचार करें। टैक्स बचत के साथ संपत्ति बनाने का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है, जब निवेश सही योजना, पर्याप्त अवधि और जोखिम को समझकर किया जाए।

अगले साल के लिए नजर रखें इन फ्लेक्सी कैप फंड पर



- बाजार की अनिश्चितता के बीच बड़े, मझोले और छोटे शेयरों में निवेश की आजादी
- तीन साल के प्रदर्शन, जोखिम और रिटर्न के आधार पर तीन योजनाएं चर्चा में

सुझाव

शेयर बाजार में निवेश करते समय केवल तेजी दिखाने वाले शेयरों या फंड के पीछे भागना हमेशा सही रणनीति नहीं होती। बाजार में ऊंचे मूल्यांकन, अलग-अलग कंपनियों और क्षेत्रों के प्रदर्शन में अंतर, वैश्विक अनिश्चितताएं और उतार-चढ़ाव निवेशकों के सामने चुनौती बने हुए हैं। ऐसे माहौल में निवेश का विविधीकरण महत्वपूर्ण हो जाता है। म्यूचुअल फंड की फ्लेक्सी कैप श्रेणी इसी जरूरत को पूरा करने का विकल्प देती है। फ्लेक्सी कैप फंड को बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश करने की स्वतंत्रता होती है। फंड प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों, कंपनियों के मूल्यांकन और भविष्य की संभावनाओं के अनुसार इन तीनों श्रेणियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इससे किसी एक बाजार श्रेणी पर निर्भरता कम करने और अलग-अलग क्षेत्रों में अवसर तलाशने की गुंजाइश मिलती है। इक्विटीमास्टर की 7 नवंबर 2026 की रिपोर्ट में तीन ऐसे फ्लेक्सी कैप फंड का उल्लेख किया गया है, जिन्हें 2027 के लिए निगरानी सूची में रखा जा सकता है।

1. व्हाइटओक कैपिटल फ्लेक्सी कैप फंड

अगस्त 2022 में शुरू हुआ व्हाइटओक कैपिटल फ्लेक्सी कैप फंड अपेक्षाकृत नया है, लेकिन तीन साल के प्रदर्शन में इसने अपनी श्रेणी और बेंचमार्क से बेहतर रिटर्न दिया है। फंड का निवेश दृष्टिकोण कंपनियों के चयन पर आधारित है। यह किसी एक क्षेत्र या निवेश शैली पर अत्यधिक निर्भर रहने के बजाय अलग-अलग उद्योगों और बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों में निवेश करता है। पिछले तीन वर्षों में फंड ने 14.36 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि दर (सीएजीआर) से रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी 500 टीआरआई का रिटर्न 10.85 प्रतिशत रहा। इस अवधि में श्रेणी का औसत रिटर्न 12.39 प्रतिशत था। जोखिम के लिहाज से भी इसके आंकड़े उल्लेखनीय हैं। फंड का मानक विचलन 13.83 रहा, जबकि श्रेणी का औसत 14.39 था। शार्प अनुपात 0.18 और सॉर्टिनो अनुपात 0.33 रहा। दोनों आंकड़े श्रेणी के औसत से बेहतर हैं। सितंबर 2026 तक इस फंड का प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति आकार (एयूएम) करीब 9,300 करोड़ रुपये था। फंड के पोर्टफोलियो में 155 शेयर शामिल थे। आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले इंडिया और एसबीआई इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में थे। इसका लगभग 50-54 प्रतिशत निवेश बड़े शेयरों में, 6-9 प्रतिशत मझोली कंपनियों में और 22-29 प्रतिशत छोटी कंपनियों में रहा। इसका पोर्टफोलियो अपेक्षाकृत अधिक सक्रिय रहता है।

2. आदित्य बिड़ला एसएल फ्लेक्सी कैप फंड

अगस्त 1998 में शुरू हुआ आदित्य बिड़ला एसएल फ्लेक्सी कैप फंड इस श्रेणी की पुरानी योजनाओं में शामिल है। पहले यह आदित्य बिड़ला एसएल इक्विटी फंड के नाम से जाना जाता था। यह मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों में निवेश करता है, लेकिन बेहतर विकास संभावनाओं के लिए मझोली और छोटी कंपनियों में भी हिस्सेदारी रखता है। इसकी निवेश रणनीति ऐसी कंपनियों की पहचान पर केंद्रित है, जिनकी बाजार हिस्सेदारी बढ़ रही हो, लाभ मार्जिन में सुधार हो रहा हो और पूंजी के इस्तेमाल की क्षमता बेहतर हो। पिछले तीन वर्षों में इस फंड ने 15.48 प्रतिशत सीएजीआर से रिटर्न दिया। इसी अवधि में निफ्टी 500 टीआरआई का रिटर्न 10.85 प्रतिशत और श्रेणी का औसत 12.39 प्रतिशत रहा। इसका मानक विचलन 13.17 था, जो बेंचमार्क और श्रेणी औसत से कम है। शार्प अनुपात 0.20 और सॉर्टिनो अनुपात 0.38 रहा। सितंबर 2026 तक इसका एयूएम करीब 28,000 करोड़ रुपये था। पोर्टफोलियो में लगभग 85 शेयर थे। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एसबीआई इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में शामिल थे। फंड का कारोबार अनुपात 20-30 प्रतिशत के आसपास रहा, जो अपेक्षाकृत लंबी अवधि तक निवेश बनाए रखने की रणनीति को दर्शाता है। पिछले एक साल में इसका 55-67 प्रतिशत निवेश बड़ी कंपनियों में रहा।



3. एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड

एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग की पुरानी योजनाओं में से एक है। इसकी शुरुआत जनवरी 1995 में एचडीएफसी इक्विटी फंड के नाम से हुई थी। यह फंड बाजार मूल्यांकन और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में निवेश का अनुपात बदलता है, हालांकि इसका झुकाव आमतौर पर बड़ी कंपनियों की ओर रहता है। फंड की रणनीति मजबूत कारोबारी आधार और लंबी अवधि में विकास की संभावना वाली कंपनियों में निवेश करने की है। पिछले तीन वर्षों में इसने 16.19 प्रतिशत सीएजीआर से रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी 500 टीआरआई का रिटर्न 10.85 प्रतिशत रहा। इसका मानक विचलन 12.37 था, जो तीनों फंडों में सबसे कम है। शार्प अनुपात 0.22 और सॉर्टिनो अनुपात 0.40 रहा। ये आंकड़े इसकी जोखिम-समायोजित प्रदर्शन क्षमता को दर्शाते हैं। सितंबर 2026 तक इसका एयूएम करीब 1.1 लाख करोड़ रुपये था। पोर्टफोलियो में आमतौर पर 45-55 शेयर रहते हैं। आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और कोटक महिंद्रा बैंक इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में शामिल थे। इसका करीब 70-75 प्रतिशत निवेश बड़ी कंपनियों में रहा। फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश का बड़ा फायदा यह है कि फंड प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश बदल सकते हैं।



शरद ने बॉलीवुड में मांगा काम हॉलीवुड फिल्म का मिला ऑफर

मुंबई। फिल्म 'जोश' में अपनी दमदार भूमिका से पहचान बनाने वाले अभिनेता शरद कपूर इन दिनों मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री के लोगों से भावुक अपील करते हुए कहा है कि उन्हें काम और आर्थिक मदद की जरूरत है। ताकि वह दोबारा अपने पैरों पर खड़े हो सकें। इसी बीच अब एक अच्छी खबर सामने आई है। अभिनेता ने बताया कि उन्हें एक हॉलीवुड फिल्म का ऑफर मिला है। शरद कपूर ने बताया कि उन्हें एक हॉलीवुड फिल्म का ऑफर मिला है और वो जनवरी में इसकी शूटिंग भी शुरू करने वाले हैं। अभिनेता ने कहा, 'मुझे एक हॉलीवुड फिल्म का ऑफर मिल चुका है।

लाइफ Style

अनन्या

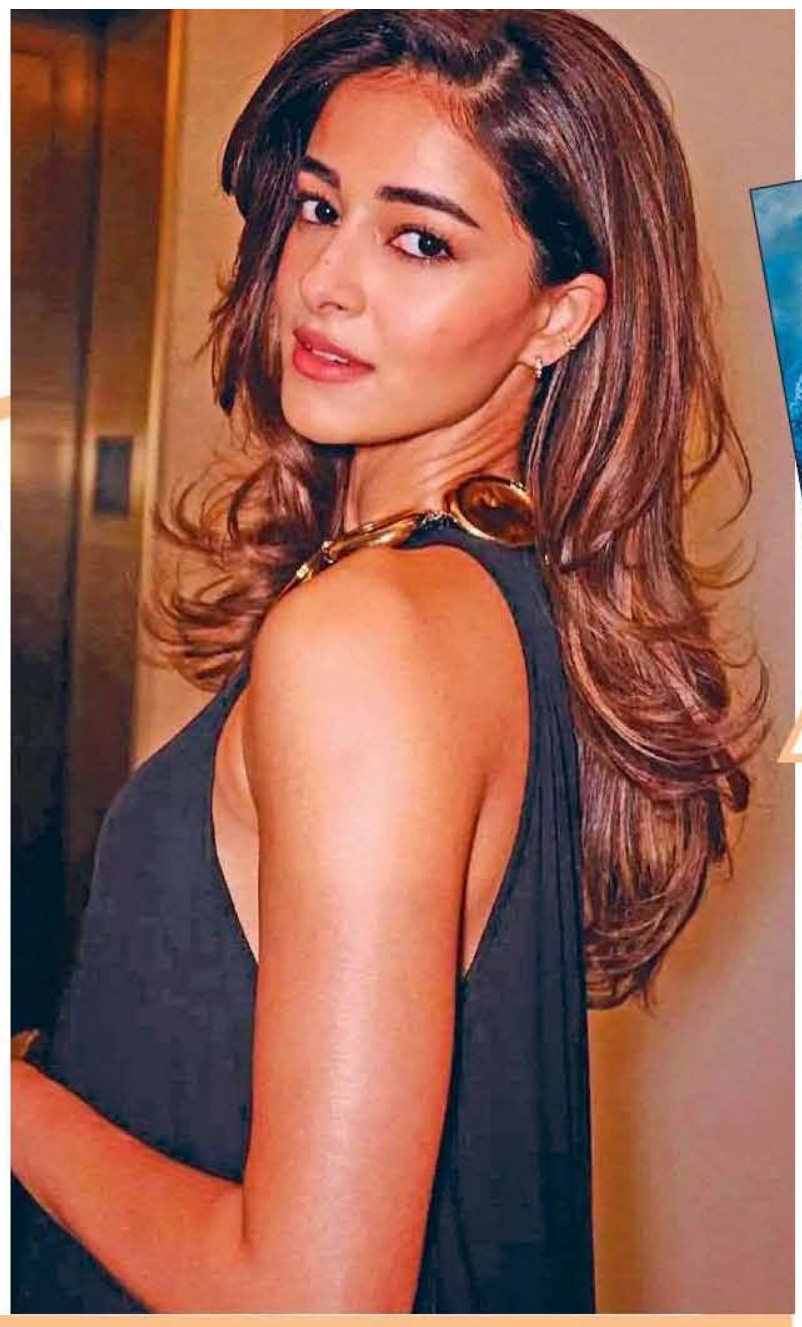
अपने सारे एक्सेस को किए कॉल!

एजेंसी ▶▶ मुंबई

'कॉफी विद करण' सीजन 9 के अगले एपिसोड में दो अनन्याएं - अनन्या पांडे और अनन्या बिड़ला - नजर आएंगी। शो के होस्ट करण जौहर ने आने वाले एपिसोड का प्रोमो शेयर किया, जिसमें दोनों खूब हंसी-मजाक करती दिखी और एक-दूसरे से जुड़े कुछ राज भी खोले।

प्रोमो में, दर्शकों को दोनों अनन्या के बीच की मजेदार दोस्ती की एक झलक देखने को मिली। अनन्या पांडे ने कहा कि उन्हें ऐसे लोग बिल्कुल पसंद नहीं जिनका नाम उनके नाम जैसा हो, लेकिन अनन्या बिड़ला इसका अपवाद हैं। फिर, फोन कॉल वाले सेगमेंट में, जहां होस्ट हर मेहमान से अपने किसी सेलिब्रिटी दोस्त को फोन करने और 'हे करण, मैं हूं!' कहने के लिए कहते हैं, अनन्या पांडे ने आदित्य रॉय कपूर को फोन लगाने की कोशिश की, लेकिन उनका फोन कार्तिक आर्यन ने उठा लिया।

अनन्या बिड़ला ने मजाक में कहा कि वह अपने सभी एक्सेस को एक-एक करके फोन कर रही हैं, और करण हंसने लगे। इससे पहले, अनन्या ने ईशान खट्टर को डेट किया था, लेकिन बाद में दोनों अलग हो गए। 2022 में, ईशान ने 'कॉफी विद करण' में अपने ब्रेकअप की पुष्टि की और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वे आगे भी दोस्त बने रहेंगे। इसके बाद, खबरों के अनुसार, अनन्या लगभग दो साल तक आदित्य रॉय कपूर के साथ रिलेशनशिप में रहीं। हालांकि, उन्होंने कभी अपने रिश्ते को सार्वजनिक नहीं किया, लेकिन साथ में छुट्टियों की उनकी तस्वीरें ऑनलाइन सामने आई थीं।



हॉलीवुड मसाला



20 नवंबर को रिलीज होगी गॉडजिला

नई दिल्ली। नमित मल्होत्रा निर्मित रामायणम का दुनियाभर में बज इतना तगड़ा था कि एक मोस्ट एंटीसिपेटेड लाइव एक्शन फिल्म गॉडजिला माइनस जीरो को पोस्टपोन करना पड़ गया था। जापान की फिल्म गॉडजिला माइनस जीरो पहले भारत में 6 नवंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन रामायणम के चलते मेकर्स को रिलीज डेट पोस्टपोन करनी पड़ गई थी। अब गॉडजिला माइनस जीरो की रिलीज डेट 20 नवंबर को तय की गई है। यह फिल्म पहले ही विदेशों में धमाल मचा रही है। पहले 3 नवंबर को फिल्म जापान में रिलीज गई और फिर 6 नवंबर को अमेरिका समेत बाकी देशों के सिनेमाघरों में पहुंची।



कनाडाई गायिका के घर गूंजी किलकारी

लॉस एंजिल्स। एविल लावीन मां बन गई हैं। मशहूर कनाडाई गायिका ने पहले बच्चे के रूप में बिटिया का स्वागत किया है। उन्होंने बेटी की तस्वीर शेयर करते हुए खुशखबरी फैंस के साथ साझा की है। हालांकि, बेबी गर्ल का नाम उन्होंने क्या रखा है, यह जानकारी नहीं दी है। साथ ही अपने पार्टनर की पहचान भी नहीं बताई है। पॉपस्टार एविल लवीन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने तीन फोटोज शेयर किए हैं। एक तस्वीर में वे और उनके पार्टनर अपनी नन्ही परी के नन्हे हाथों को थामे हुए हैं। दूसरी तस्वीर में एविल अपनी बेटी के साथ नजर आ रही हैं। तीसरी तस्वीर में एविल, उनके पार्टनर और बेबी गर्ल के शूज हैं।



शूटिंग में गंदी हरकतों की हुई थीं शिकार

नई दिल्ली। अभिनेत्री स्वरा भास्कर एक बार फिर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि साल 2011 में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें कथित तौर पर यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा था। उस वक्त वह फिल्म इंडस्ट्री में अपने पैर जमाने की कोशिश कर रही थीं। ऐसे में न तो उनके पास अपनी कोई पर्सनल टीम थी और न ही कोई ऐसा करीबी था, जिसे वह अपनी परेशानी बता सकें। करियर की शुरुआत में मिले इस अनुभव को स्वरा उस समय ठीक से समझ भी नहीं पाई थीं। हालांकि, कई साल बाद मीटू मूवमेंट के दौरान दूसरी महिलाओं के अनुभव पढ़ने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ जो हुआ था, वह भी यौन उत्पीड़न ही था। दरअसल, एक बातचीत में स्वरा ने मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में फिल्म की आउटडोर शूटिंग के दौरान हुई घटना को याद किया।



आश्रम सीजन-4 की पूरी हुई शूटिंग

मुंबई। मशहूर वेब सीरीज 'आश्रम' के सीजन 4 की शूटिंग पूरी हो गई है। अभिनेता बॉबी देओल और फिल्म निर्माता प्रकाश झा ने शूटिंग पूरी होने का केक काटकर जश्न मनाया है। इस मौके पर इस सीजन की पूरी कास्ट मौजूद थी। केक पर 'जपनाम, इट्स अ रैप - आश्रम सीजन 4' लिखा था। 'आश्रम' के इस नए सीजन की शूटिंग इस साल अगस्त में शुरू हुई थी। शूटिंग पूरी होने की अपडेट को फैंस के साथ साझा करते हुए 'प्रकाश झा प्रोडक्शंस' ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक क्लैपरबोर्ड की तस्वीर पोस्ट की, जिस पर 'आश्रम 4' लिखा था। यह क्लैपरबोर्ड पूजा-पाठ वाली जगह पर रखा गया था। फोटो के साथ यह कैप्शन भी था, 'एक और आरंभ... आश्रम के नए अध्याय में आपका स्वागत है।

टीवी मसाला



बिग बॉस में सलमान का कनिका और लव पर बरपा गुस्सा

नई दिल्ली। बिग बॉस 20 के वीकेंड का वार के एपिसोड में बहुत कुछ देखने को मिला। होस्ट सलमान खान ने स्काउट ओपी की अपने करीबी दोस्त युग डीएसए से लड़ाई से लेकर लव गिल के साथ उसकी दोस्ती में खटास आने बात की। इसी दौरान कनिका मान को भी उन्होंने आड़े हाथ लिया, जो उनके सामने काजी तौकीर और आम्रपाली दुबे से बहस करती हुई नजर आईं। इसे देखकर सलमान खान का गुस्सा बढ़ गया और उन्होंने कनिका मान को वॉर्निंग दी कि उनके सामने आवाज ऊंची ना करें। सलमान खान ने कनिका मान से कहा कि वह अपने दोस्तों की तरफदारी करती है और हर किसी से अलग-अलग तरह से बात करती है। इस पर काजी सपोर्ट करते हैं। सलमान कहते हैं, 'जब स्काउट ने लव के बारे में इतनी बेतुकी बात कही, तब तुम वहीं खड़ी थीं, लेकिन तुमने कोई स्टैंड नहीं लिया. मैंने उससे माफी मांगने को कहा. कनिका, तुम पाखंडी हो। इसी बीच कनिका, काजी और आम्रपाली से झगड़ने लगती हैं और चिल्लाती हैं, जिस पर सलमान कहते हैं, कनिका, मेरे सामने अपनी आवाज ऊंची मत करो। यहां तो बिल्कुल भी नहीं. मैं भी ऐसा कर सकता हूं। इस बात पर कनिका कहती हैं, 'मुझे आपके लिए अफसोस है' सलमान जवाब में कहते हैं, मुझे तुम्हारे लिए अफसोस है। अभी तुम्हारा जो लहजा है, जो ताने तुम मार रही हो, उन्हें अपने तक ही रखो। तुम आजकल बिल्कुल बदल गई हो 'लॉलीपॉप' वाली बात पर बुरा मान जाने वाली कनिका से लेकर अब तक, तुम एक अलग ही रास्ते पर चल रही हो। कनिका, क्या अब तुम चुप रहोगी? वीकेंड का वार में सलमान खान ने सबसे पहले टास्क के दौरान स्काउट ओपी के बहस के दौरान यंग डीएसए को धक्का देने पर बात की।

समय रैना के शो में पहुंचीं सलमा

नई दिल्ली। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' सीजन 2 की कंटेस्टेंट सलमा दीवानी अपने पंचलाइन और होस्ट समय रैना के मजेदार रोस्ट की वजह से वायरल हो गई हैं। इस किरदार को एक्टर और परफॉर्मर भाग्यश्री तर्के ने निभाया है। उनका कॉमेडी एक्ट इतना मजेदार था कि होस्ट और सेलिब्रिटी पैनलिस्ट अपनी हंसी नहीं रोक पाए और अब वह इंटरनेट पर सबकी चहेती बन गई हैं। कई वायरल वीडियो में सलमा दीवानी को अपने खास हैदराबादी लहजे में हाजिरजवाबी करते और बेबाक मजाक करते देखा जा सकता है। उन्होंने अपने कॉमेडी एक्ट में दक्खनी उर्दू का इस्तेमाल किया और रोजमर्रा के सामाजिक नियमों पर तीखे कमेंट्स किए। अपने एक्ट के दौरान उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि गाली-गलौज के मामले में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग पैमाने क्यों हैं। उन्होंने बताया कि कैसे महिलाओं से हमेशा सोच-समझकर बोलने की उम्मीद की जाती है। उन्होंने कहा, मेरा मन करता है कि मैं उन्हें गालियां दूं, लेकिन मैं दे नहीं सकती। यह मुश्किल है। मैं यहां गालियां नहीं देती, मैं कहीं भी गालियां नहीं देती। वैसे भी यह बुरी बात है, इसलिए मैं ऐसा कभी नहीं करता। अगर कोई लड़की गाली दे, तो उसकी बदनामी हो जाती है, लेकिन पुरुषों के मामले में ऐसा नहीं है।

'ओम' में चंदन तस्करों के खिलाफ धनुष का खतरनाक मिशन

मुंबई। लंबे इंतजार के बाद धनुष की फिल्म 'ओ एम चैप्टर 1: उधिरम - द ब्लड वुड' यानी 'ऑपरेशन मोल' का मोस्ट अवेडेट ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है और यह लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरा है। ट्रेलर हमें लाल चंदन की तस्करी की दुनिया में ले जाता है। इसमें धनुष एक लकड़हारे की भूमिका में हैं, जो इस खतरनाक सिंडिकेट में गहराई तक फंस जाता है। साई पल्लवी, जो इन दिनों 'रामायण' में सीता माता के किरदार से सबका दिल जीत रही हैं। वे 'ओ.एम' में सीबीआई अधिकारी नित्या रेड्डी के रूप में एक दमदार छाप छोड़ती हैं। वहीं ममूटी नेता के रोल में बहुत ही दमदार लग रहे हैं। यह फिल्म 20 नवंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ट्रेलर में छाए ममूटी-साई : ओ एम चैप्टर 1: उधिरम' के ट्रेलर में साई पल्लवी के किरदार की झलक देखने को मिलती है, जिसमें ईमानदारी, समझदारी और युवा जोश के साथ अनुभव का शानदार मेल नजर आता है। ट्रेलर में उन्हें 'ऑपरेशन मोल' का नेतृत्व करते हुए और तस्करी के इस गिरोह का पर्दाफाश करने की कोशिश करते हुए देखा जा सकता है। फिल्म में सबसे बड़ा सरप्राइज ममूटी की एंट्री है, जो एक राजनेता के किरदार में नजर आते हैं।



धनुष के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करते हुए वे एक दमदार और रहस्यमयी किरदार में नजर आते हैं, जो पर्दे के पीछे रहकर पूरे कारोबार को अपने इशारों पर चलाता दिखाई देता है।

इस बॉलीवुड एक्टर की हुई एंट्री : 'ओ एम चैप्टर 1: उधिरम' ट्रेलर में नसीरुद्दीन शाह की भी एक झलक देखने को मिलती है। हालांकि, उनके किरदार के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन ऐसा लगता है कि यह एक छोटा रोल है। इन चार दिग्गज कलाकारों के अलावा फिल्म में श्रीलीला भी हैं, जो धनुष की पत्नी का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म को 'अमरन' फेम राजकुमार पेरियासामी ने लिखा और निर्देशित किया है। इसे संगीत साई अभ्यंकर ने दिया है। वंडरबार फिल्म्स और आरटेक स्टूडियोज द्वारा निर्मित यह फिल्म एक फ्रेंचाइजी की शुरुआत के रूप में बनाई गई है।

शबाना की पहली फिल्म के पोस्टर का उड़ा था मजाक, कहा था कान दर्द की दवा का विज्ञापन

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस शबाना आजमी ने अपने कॅरियर में कई ऐसी फिल्में की हैं, जिन्होंने न सिर्फ उन्हें एक बेहतरीन एक्ट्रेस के तौर पर पहचान दिलाई, बल्कि हिंदी सिनेमा को भी नई दिशा दी। उनकी पहली फिल्म 'अंकुर' भी ऐसी ही फिल्मों में शामिल है। साल 1974 में रिलीज हुई इस फिल्म ने शबाना को रातोंरात चर्चा में ला दिया था। फिल्म रिलीज होने से पहले इसके पोस्टर को लेकर लोगों की सोच कुछ और ही थी। मुंबई के कैप्स कॉर्नर पर जब 'अंकुर' का पोस्टर लगाया गया तो लोगों ने उसकी तारीफ करने के बजाय उसका मजाक उड़ाया था। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म रिलीज होने के बाद यही लोग पोस्टर देखकर फिल्म की तारीफ करने लगे थे। शबाना ने अब सोशल मीडिया पर इस पुराने किस्से को याद किया है। बता दें कि 'अंकुर' शबाना आजमी के एक्टिंग कॅरियर की पहली फिल्म थी। इसके साथ ही यह मशहूर फिल्ममेकर श्याम बेनेगल की भी पहली फीचर फिल्म थी। फिल्म की कहानी 1950 के दशक में हैदराबाद में हुई एक वास्तविक घटना से प्रेरित मानी जाती है।



पोस्टर में आंखें बंद थीं

शबाना आजमी ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम पेज पर 'अंकुर' के पुराने पोस्टर की तस्वीर पोस्ट करते हुए बताया कि उस दौर में फिल्मों के पोस्टर काफी अलग अंदाज में बनाए जाते थे। ऐसे में 'अंकुर' का पोस्टर लोगों को कुछ अजीब लगा था। इस पोस्टर में शबाना आजमी और फिल्म के लीड एक्टर साधु मेहर नजर आए थे। शबाना की आंखें बंद थीं और वह साधु मेहर के पास लेटी हुई थीं। शबाना ने अपने पोस्ट में लिखा, मुझे याद है कि जब यह पोस्टर कैप्स कॉर्नर पर लगाया गया था तो उस दौर के दूसरे पोस्टरों से बिल्कुल अलग होने के कारण इसका मजाक उड़ाया गया था। लोग पूछ रहे थे- यह क्या है? कान दर्द की दवा का विज्ञापन? शबाना ने आगे लिखा, लेकिन जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई और दर्शकों ने इसे देखा तो लोगों की राय पूरी तरह बदल गई।

60 के दशक का पुराना गाना आज भी है अमर

गुस्से में लिखा गया था किशोर कुमार का आइकॉनिक गीत

गीतकार शैलेंद्र ने लिखे थे लिरिक्स

एक रिपोर्ट के आधार पर ऐसा बताया जाता है कि इस गाने के मुखड़े को शैलेंद्र ने गुस्से में लिखा था। दरअसल, बात 60 के दशक की शुरुआत की है, जब राज कपूर फिल्म कॉलेज गर्ल को बनाने की तैयारी में थे और इस फिल्म के लिए संगीतकार शंकर-जय किशन की जोड़ी को चुना गया था, जो उस वक्त राज साहब के फेवरेट माने जाते थे। गीतकार के तौर पर अक्सर शैलेंद्र और हसरत जयपुरी इन संगीतकार की जोड़ी के पसंदीदा था। लेकिन, शैलेंद्र को ये जानकारी मिली की शंकर-जयकिशन ने किसी तीसरी गीतकार को कॉलेज गर्ल के काम सौंपा है तो वह गुस्से में आग बबूला हो गए और हसरत जयपुरी को साथ में लेकर सीधा शंकर-जयकिशन के ऑफिस पहुंच गए। वहां उनको कोई नहीं मिला और फिर शैलेंद्र ने गुस्से में ऑफिस ब्वॉय को बुलाकर एक पेपर पर दो लाइन लिखकर शंकर-जय किशन को देने के लिए कह दिया था।



नई दिल्ली। फिल्मी गानों के लेकर कई तरह के रोचक किस्से सिनेमा जगत में मौजूद हैं। खासतौर पर पुराने जमाने में ऐसे गीत रहे, जिनके पीछे कोई न कोई दिलचस्प किस्सा शामिल था। ऐसा ही एक सॉन्ग महान गायक किशोर कुमार का था, जिसके बोल गीतकार द्वारा गुस्से में लिखे थे। खास बात ये थी कि वह गीत किशोर दा की फिल्म के लिए भी नहीं लिखा गया था। फिर भी 64 सालों से उनकी आवाज में ये गाना सिनेमा की दुनिया में अमर है।

1964 में रिलीज हुई फिल्म रंगोली

जिस गीत के बारे में इस लेख में बात की जा रही है, वह साल 1964 में रिलीज हुई फिल्म रंगोली से नाता रखता है। जिसमें किशोर कुमार और अभिनेत्री वैजयंतीमाला ने अहम भूमिका को अदा किया था। रंगोली फिल्म के उस सॉन्ग के बोल थे- छोटी सी दुनिया... । इस गाने को किशोर दा ने अपनी मधुर आवाज में गाकर अमर किया और इसके लिरिक्स हिंदी सिनेमा के महान गीतकार शैलेंद्र द्वारा लिखे गए थे।

कागज पर लिख दी थीं दो लाइनें

वह दो लाइनें थीं- छोटी सी ये दुनिया, पहचाने रस्तें हैं, तुम कभी तो मिलोगे, कहीं तो मिलोगे तो पूछेंगे हाल... जब फिल्म रंगोली का निर्माण हुआ तब शंकर-जय किशन ने शैलेंद्र से कहा था कि गाने का मुखड़ा हमारे पास है और आप इसका अंतरा लिखे दें। लेकिन शैलेंद्र हैरान हुआ और कहा कि मैंने तो कोई गीत नहीं लिखा। फिर संगीतकार ने उन्हें ऑफिस ब्वॉय वाला वही पेपर दिखाया, जो शैलेंद्र ने गुस्से में लिखा था। ऐसे जाकर रंगोली फिल्म का किशोर कुमार वाला गाना बना।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स

जेसिका को हराकर फाइनल में पहुंची मीरा



एजेंसी ▶▶| इंडियन वेल्स

रूस की युवा खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में अनुभवी खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना का सामना करेगी।

एंड्रीवा ने सेमीफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को 6-3, 6-4 से हराया। इस तरह से यह 19 वर्षीय खिलाड़ी 2004 के बाद इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाली पहली किशोरी बन गई हैं। एंड्रीवा के लिए यह साल शानदार रहा है। उन्होंने फ्रेंच ओपन के रूप में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता और विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचने में सफल रही।

एलिना स्वितोलिना से होगा खिताबी मुकाबला

मीरा ने टूर्नामेंट में नहीं गंवाया एक भी सेट

मीरा ने इस टूर्नामेंट में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। स्वितोलिना 2017 में 37 वर्षीय वीनस विलियम्स के बाद इस प्रतियोगिता के खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। वह आखिरी बार 2018 और 2019 में फाइनल में पहुंची थीं, जिसमें उन्होंने एक बार जीत हासिल की और एक बार हार का सामना किया। रूस की ही मारिया शारापोवा ने 2004 में 17 साल की उम्र में इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने तब सेरेना विलियम्स को तीन सेटों में हराया था।

पांचवें मैच में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 22 रन से दी शिकस्त

भारत ने 7 साल बाद न्यूजीलैंड में जीती वनडे सीरीज

एजेंसी ▶▶| माउंट मोनगानुई

अर्शदीप सिंह की अगुवाई में गेंदबाजों की उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत ने अपने कम स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए रविवार को पांचवें और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 22 रन से हराकर 5 मैचों की श्रृंखला 3-1 से जीती। भारतीय बल्लेबाजों ने लगातार दूसरे मैच में निराशाजनक प्रदर्शन किया और उसकी टीम पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद 42.1 ओवर में 209 रन पर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों ने हालांकि न्यूजीलैंड को शुरू से बैकफुट पर रखा और उसकी पूरी टीम को 48.1 ओवर में 187 रन पर ढेर कर दिया।



सिराज ने एलन को पवेलियन भेजा

पिछले मैच में शतक जड़ने वाले विल यंग (22) और निक केली (24) ने अगले 11 ओवर तक कोई विकेट नहीं गिरने दिया। इस दौरान इन दोनों ने 38 रन जोड़े। अर्शदीप ने इन दोनों को आउट किया जबकि सिराज ने फिन एलन को आते ही पवेलियन भेजकर भारत की उम्मीद जगा दी। इस बीच अगर विराट कोहली ने अर्शदीप की गेंद पर दूसरी स्लिप में डीन फॉक्सक्रॉफ्ट का कैच नहीं छोड़ा होता तो न्यूजीलैंड की स्थिति और खराब हो जाती। अर्शदीप ने यंग को बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर कैच आउट करवाया। रुतुराज गायकवाड़ ने उनका शानदार कैच लिया। इसके बाद उनकी गेंद केली के बल्ले का अंदरुनी किनारा लेकर विकेटों में समा गई।



भारतीय गेंदबाजों ने की अनुशासित गेंदबाजी

भारत ने पहले दोनों मैच जीते थे जबकि न्यूजीलैंड चौथा मैच जीतने में सफल रहा था। श्रृंखला का तीसरा मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। इस तरह से गौतम गंभीर के कोच बनने के बाद भारत ने वनडे में विदेशी धरती पर अपनी पहली श्रृंखला जीती। भारतीय गेंदबाजों ने अनुशासित गेंदबाजी का शानदार नमूना पेश करते हुए न्यूजीलैंड के किसी भी बल्लेबाज को अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदलने दिया। अर्शदीप सिंह ने 30 रन देकर 3, मोहम्मद सिराज ने 50 रन देकर 2 और अक्षर पटेल ने 28 रन देकर 2 विकेट लिए। इस दौरे में अपना पहला मैच खेल रहे सिराज ने टिम सीफर्ट (14) को मिड ऑन पर आसान कैच देने के लिए मजबूर किया।

यश ठाकुर ने लिया वनडे में पहला विकेट

औकिब नबी ने ब्रेसवेल को शार्ट पिच गेंद पर चकमा दिया जबकि पदार्पण कर रहे यश ठाकुर ने फॉक्सक्रॉफ्ट को बोल्ड करके अपने करियर का पहला विकेट लिया। इन दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 36 रन की साझेदारी की थी। भारत ने 36वें ओवर में स्पिनर के रूप में पांचवां गेंदबाज आजमाया। यह वनडे में पहला अवसर है जबकि भारत ने 35 ओवर के बाद पहली बार स्पिनर को गेंद सौंपी। नमन धीर ने आक्रामक अंदाज में खेल रहे कप्तान मिचेल सैंटनर (24) का विकेट लेकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। अक्षर ने आखिरी दो विकेट लेकर भारत की जीत सुनिश्चित की।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
रोहित का फॉक्सक्रॉफ्ट बो फिशर	07	13	1	0
गायकवाड़ का सीफर्ट बो डफी	18	27	3	0
कोहली का सीफर्ट बो फिशर	05	7	0	0
अय्यर का फिशर बो टिकनर	22	26	3	0
अक्षर पटेल का यंग बो ब्रेसवेल	46	55	5	1
ईशान का फिशर बो डफी	46	58	3	2
नमन धीर का केली बो सैंटनर	22	31	2	0
औकिब का एलन बो सैंटनर	05	9	1	0
यश का सीफर्ट बो सैंटनर	00	4	0	0
सिराज नाबाद	14	20	1	1
अर्शदीप सिंह बो डफी	14	4	0	2
अतिरिक्त: 10 कुल: 42.1 ओवर में 209/10				
गेंदबाजी: जैकब डफी 8.1-1-60-3, जैक्यू फिशर 7-1-28-2, विलियम्सन क्लार्क 2-0-13-0, लॉकी टिकनर 5-1-24-1, मिशेल सैंटनर 10-1-47-3, माइकल ब्रैसवेल 10-0-35-1.				
न्यूजीलैंड	रन	गेंद	4	6
यंग का गायकवाड़ बो अर्शदीप	22	42	3	0
सीफर्ट का यश बो सिराज	14	21	2	0
निक केली बो अर्शदीप	24	45	2	0
फॉक्सक्रॉफ्ट बो यश ठाकुर	31	42	5	0
फिन एलन बो सिराज	01	5	0	0
ब्रेसवेल का नमन बो औकिब	19	33	2	0
सैंटनर का अर्शदीप बो नमन	24	31	1	2
क्लार्क का ईशान बो अर्शदीप	16	35	1	0
टिकनर लट ईशान बो पटेल	14	20	1	0
डफी का रोहती बो पटेल	09	12	1	0
जैक्यू फिशर नाबाद	03	6	0	0
अतिरिक्त: 10 कुल: 48.1 ओवर में 187/10				
गेंदबाजी: अर्शदीप सिंह 10-2-30-3, जोहन्नस सिराज 10-1-50-2, औकिब नबी 10-1-37-1, यश ठाकुर 10-0-38-1, अक्षर पटेल 6.1-0-28-2, नमन धीर 2-0-4-1.				

खबर संक्षेप

खेल विज्ञान प्रमुख बने कोच रिकार्ड नीलसन

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने स्वीडन के



'स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग' कोच रिकार्ड नीलसन को 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों तक अपना खेल विज्ञान विभाग का प्रमुख नियुक्त किया है। महासंघ ने रविवार को यह घोषणा की। वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धतियों, प्रदर्शन की निगरानी और खिलाड़ियों की प्रगति के लिए कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर काम करेंगे।

खेलो इंडिया युवा खेलों के शुभंकर का अनावरण

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और तेलंगाना के



मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आठवें खेलो इंडिया युवा खेलों (केआईवाईजी) के लोगो और शुभंकर का अनावरण किया। खेलो इंडिया युवा खेलों का आयोजन तेलंगाना के 6 शहरों में 11 से 22 दिसंबर तक किया जाएगा। मांडविया ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मैत्री फुटबॉल मैच : जीता न्यूजीलैंड ने मुकाबला



क्राइस्टचर्च। भारत को रविवार को पहले हाफ में तीन गोल गंवाने के कारण मैत्री फुटबॉल मैच में न्यूजीलैंड से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड ने भारत की रक्षापंक्ति की कमजोरी को उजागर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसकी तरफ से पहले हाफ में फिन सुरमन, जेम्स मैकगैरी और कप्तान क्रिस वुड ने गोल किए। न्यूजीलैंड ने 22वें मिनट में सुरमन के गोल से बढ़त हासिल की।

लक्ष्य ने रचा इतिहास, जीता कुमामोतो मास्टर्स का खिताब

एजेंसी ▶▶| कुमामोतो

लक्ष्य सेन ने अपने जुझारूपन का शानदार नमूना पेश करते हुए रविवार को यहां पुरुष एकल के फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी कोकी वातानाबे को हराकर कुमामोतो मास्टर्स जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट जीतकर बीडब्ल्यूएफ टूर में लगातार दूसरा खिताब अपने नाम किया। लक्ष्य ने वातानाबे के खिलाफ पहला गेम हारने के बाद शानदार वापसी की और 1 घंटे और 4 मिनट तक चले मैच में 13-21, 21-18, 21-14 से जीत हासिल की। इससे उन्होंने हांगझोउ में होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए भी क्वालीफाई कर लिया।

सेन ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स किया क्वालीफाई



मैं बेहतर प्रदर्शन कर पाया : सेन

25 वर्षीय लक्ष्य ने मैच के बाद कहा, 'यहां खिताब जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं यहां पिछले साल सेमीफाइनल तक पहुंचा था। मुझे खुशी है कि मैं पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन कर पाया। यह मेरा लगातार दूसरा खिताब है। मैं इस लय को आगे भी बरकरार रखना चाहूंगा।' उन्होंने कहा, 'मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद अपना आत्मविश्वास बनाए रखना ही सबसे महत्वपूर्ण था। कई मैचों में मैंने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी की।

महिला अंडर-23 टी-20 ट्रॉफी में हरियाणा ने चंडीगढ़ को 19 रनों से दी करारी शिकस्त

रोहतक। महिला अंडर-23 टी-20 ट्रॉफी एलीट के ग्रुप स्टेज मुकाबले में हरियाणा अंडर-23 महिला टीम ने चंडीगढ़ को 19 रनों से हराकर शानदार जीत दर्ज की है। केरल सेंट जेवियर्स केसीए क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में हरियाणा की टीम ने हर मोर्चे पर बेहतरीन प्रदर्शन किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए हरियाणा ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 151 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम के लिए कनक भाटी ने सबसे ज्यादा 30 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 45 रन बनाए। वहीं, वंशिका रावत ने 34 गेंदों में 43 रनों की शानदार पारी खेली। इसके अलावा त्रिवेणी ने 21 और तनीषा ने 15 रन जोड़े। चंडीगढ़ की ओर से गेंदबाजी में हितंशी ने 2 विकेट चटकाए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी चंडीगढ़ की टीम 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 132 रन ही बना सकी। चंडीगढ़ के लिए दीप्ति वालिया ने नाबाद 40 और सारा कुमार ने 27 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सकीं। हरियाणा की घातक गेंदबाजी के आगे चंडीगढ़ के बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए। हरियाणा की ओर से रितु देवी ने सबसे बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में मात्र 12 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके। उनके अलावा गुलशन अली और गौरिका यादव ने 2-2 बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया।

विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी

श्रीलंका ने पापुआ न्यू गिनी को 67 रनों से रौंदा

नई दिल्ली। आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 के 12वें मैच में श्रीलंका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पापुआ न्यू गिनी को एकतरफा मैच में 67 रनों से हराया। वहीं, स्कॉटलैंड ने यूएई को 7 विकेट से धूल चटाई।

श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 150 रन बनाए। श्रीलंका की तरफ से विशमी गुनारत्ने शानदार फॉर्म में दिखाई दीं। उन्होंने 48 गेंदों में 51 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, इमेशा दुलानी ने 21 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 32 रन बनाए। इसके अलावा हसिनी परेरा ने 20 रनों का योगदान दिया।

दूसरा टी-20 बैटन ने जड़ा तूफानी शतक

एजेंसी ▶▶| एडिलेड

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड ओवल में खेले गए सीरीज के दूसरे मुकाबले को 135 रनों से अपने नाम किया। इस मैच में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज टॉम बैंटन ने 121 रनों की तूफानी पारी खेली। जीत के साथ मेहमान टीम तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-1 से बराबरी पर आ गई है। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में खेले गए सीरीज के पहले मैच को 7 विकेट से जीता था। अब सीरीज का तीसरा और निर्णायक मैच हॉबर्ट में 18 नवंबर को खेला जाएगा, जिसमें सीरीज के विजेता का फैसला होगा। इसके बाद दोनों देश 21 नवंबर से 2 दिसंबर के बीच पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया को 135 रनों से मात देकर 1-1 से बराबरी पर इंग्लैंड



इंग्लैंड ने बनाए 355 रन

एडिलेड में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने 6 विकेट खोकर 355 रन बनाए। इस टीम ने महज 19 के स्कोर पर बेन डकेट (9) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद सलामी बल्लेबाज टॉम बैंटन ने जो रूट (62) के साथ दूसरे विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। बैंटन ने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए टीम को 212 रन तक पहुंचाया। बैंटन 99 गेंदों में 121 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 12 चौके शामिल रहे।

आईसीसी ने बड़े टूर्नामेंट का कार्यक्रम तय किया

2029 चैंपियंस ट्रॉफी व 2031 वनडे विश्व कप भारत में

भाषा ▶▶| बाली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बोर्ड ने रविवार को 2035 तक होने वाले मुख्य पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजन की 'विंडो' को मंजूरी दे दी जिसके अंतर्गत भारत नौ से 28 अक्टूबर 2029 तक चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा जबकि 2031 में नौ अक्टूबर से 23 नवंबर तक होने वाले वनडे विश्व कप की संयुक्त मेजबानी करेगा। भारत 2006 के बाद पहली बार चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा। इसके साथ ही आईसीसी ने 2031 में वनडे विश्व कप की भारत में वापसी की भी पुष्टि कर दी है। भारत ने इससे पहले अक्टूबर-नवंबर 2023 में वनडे विश्व कप की मेजबानी की थी। वहीं 2027 का वनडे विश्व कप भी अक्टूबर-नवंबर में दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा। भारत और बांग्लादेश 2031 में होने वाले वनडे विश्व कप की संयुक्त मेजबानी करेंगे। हालांकि 2031 के बाद होने वाले टूर्नामेंट के मेजबान देशों की घोषणा नहीं की गई है लेकिन उनके आयोजन की तारीखें सार्वजनिक कर दी गई हैं। आईसीसी का यह निर्धारित कार्यक्रम 2028 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्व कप से शुरू होकर 2035 में होने वाले वनडे विश्व कप तक जारी रहेगा। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने कहा, ''आईसीसी के टूर्नामेंटों का पोर्टफोलियो और कार्यक्रम क्रिकेट के वैश्विक ढांचे के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। ये इस खेल को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के साथ-साथ पूरे क्रिकेट जगत को एक बेहतर दिशा और संदर्भ प्रदान करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम खिलाड़ियों और सदस्य देशों को इन टूर्नामेंटों के बारे में लंबे समय पहले जानकारी उपलब्ध कराने के महत्व को भी समझते हैं।

2035 तक आईसीसी पुरुष टूर्नामेंट का कार्यक्रम

- 2028 टी-20 विश्व कप: ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड (12 अक्टूबर-12 नवंबर)
- 2029 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल: इंग्लैंड (8-12 जून)
- 2029 चैंपियंस ट्रॉफी: भारत (9-28 अक्टूबर)
- 2030 टी-20 विश्व कप: इंग्लैंड, आयरलैंड व स्कॉटलैंड (4 जुलाई-4 अगस्त)
- 2031 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल: इंग्लैंड (12-16 जून)
- 2031 क्रिकेट विश्व कप: भारत और बांग्लादेश (9 अक्टूबर-23 नवंबर)
- 2032 टी-20 विश्व कप: मेजबान तय होना बाकी (14 अक्टूबर-14 नवंबर)
- 2033 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल: मेजबान तय होना बाकी (9-13 जून)
- 2033 चैंपियंस ट्रॉफी: मेजबान तय होना बाकी (2-23 अक्टूबर)
- 2034 टी-20 विश्व कप: मेजबान तय होना बाकी (6 जुलाई-6 अगस्त)
- 2035 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल: मेजबान तय होना बाकी (7-11 जून)
- 2035 क्रिकेट विश्व कप: मेजबान तय होना बाकी (2 अक्टूबर-18 नवंबर)

टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप : एरिगैसी ने उम्मीदें रखीं बरकरार

खिताब की दौड़ से बाहर हुए भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंदा

एजेंसी ▶▶| बुडापेस्ट

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट की फास्ट क्लासिकल प्रतियोगिता के चौथे दिन रिचर्ड रैपोर्ट के खिलाफ जीत की स्थिति में होने के बावजूद एक गलती के कारण हार का सामना करना पड़ा, जिससे वह खिताब की दौड़ से बाहर हो गए। भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने हालांकि मैक्सिम वाचियर लाग्रेव का फास्ट क्लासिकल में अजेय अभियान को समाप्त करके अपनी उम्मीदें बरकरार रखी हैं।

प्रज्ञानानंदा को चुकानी पड़ी गलती की कीमत

प्रज्ञानानंदा को रैपोर्ट के खिलाफ पहले मैच में एक गलती की भारी कीमत चुकानी पड़ी। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी को जल्द ही अपनी गलती का अहसास हो गया और उन्होंने अविश्वास भरी मुस्कान के साथ अपना हाथ माथे पर रख लिया। प्रज्ञानानंदा ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं इससे भी खराब कुछ कर सकता हूं।' दोनों खिलाड़ियों के बीच दूसरा मैच ड्रॉ रहा, जिससे प्रज्ञानानंदा ग्रुप बी में सबसे निचले स्थान पर पहुंच गए और खिताबी मुकाबले के लिए क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदें भी खत्म हो गईं। उनकी बहन आर वैशाली भी अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो से अपने दोनों मैच हारने के बाद खिताब की दौड़ से बाहर हो गईं।



यह आसान मैच नहीं था : एरिगैसी

एरिगैसी ने हालांकि वाचियर लाग्रेव से पहला मैच ड्रॉ खेलने के बाद दूसरे मैच में जीत हासिल की। इससे उनके वाचियर लाग्रेव के समान 13 अंक हो गए हैं। एरिगैसी ने कहा, 'यह आसान मैच नहीं था, लेकिन मुझे जीत की खुशी है। मुझे लगता है कि मैक्सिम समय (क्लॉक) के मामले में काफी तेज है। मुझे खुशी है कि मैं उस पर दबाव बनाने में कामयाब रहा।' बिबिसारा असाउबायेवा के खिलाफ एक जीत और एक ड्रॉ के बाद हंस नीमन के भी 13 अंक हो गए।



बिहार में आम और खास ने मनाया पर्व: रविवार को पटना में 'छठ पूजा' के दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान अपने परिवार के सदस्यों के साथ रहे।

केंद्रीय मंत्रियों,मुख्यमंत्री ने दिया अर्घ्य, अस्तगामी सूर्य की पूजा-अर्चना की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ पटना

छठ महापर्व के तीसरे दिन संध्या अर्घ्य के अवसर पर देश के कई प्रमुख नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों ने पूजा-अर्चना की और देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर देशवासियों को छठ महापर्व के संध्या अर्घ्य की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और प्रकृति की उपासना के इस पावन पर्व पर सभी के जीवन में सुख-शांति की कामना की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी देश और विदेश के नागरिकों को छठ पूजा की बधाई दी और इस पर्व को प्रकृति के प्रति समर्पण व अनुशासन का प्रतीक बताया।

छठ महापर्व के तीसरे दिन संध्या अर्घ्य के अवसर पर देश के कई प्रमुख नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों ने पूजा-अर्चना की और देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। आज होगा त्योहार का समापन

छठ महापर्व पर देशभर में रही धूम



रांची। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची में 'छठ पूजा' के दौरान प्रार्थना की।



प्रयागराज में सूर्योपासना करतीं श्रद्धालु



सांसद मनोज तिवारी भी आयोजन में हुए शामिल

शाह व जयशंकर ने दी शुभकामनाएं

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री कपिल मिश्रा और भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने सोनिया विहार बोट क्लब पर यमुना नदी के तट पर संध्या अर्घ्य अर्पित किया। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने बिहार के हाजीपुर में घाट पर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पटना स्थित अपने आवास पर सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित किया। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अन्य दिग्गजों ने भी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

खबर संक्षेप

रिंकू ने प्रधानमंत्री को दिया शादी का निमंत्रण

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज के साथ होने वाले



अपने विवाह के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। शादी से पहले रिंकू ने पीएम मोदी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। रिंकू नेपरिवार के साथ प्रधानमंत्री से मिलकर व्यक्तिगत रूप से उन्हें निमंत्रण दिया।

उपराष्ट्रपति आज जाएंगे ओडिशा दौरे पर

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन सोमवार को ओडिशा के दौरे पर जाएंगे।वे भुवनेश्वर में



विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित एक विशेष अभिमुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। यह भुवनेश्वर के मेफेयर सेंचुरी कन्वेंशन हॉल में होगा। वे श्री श्री विश्वविद्यालय के नए शैक्षणिक भवन का उद्घाटन करेंगे।

उत्तराखंड में इबोला का खतरा, निगरानी शुरू

देहरादून। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और कुछ अफ्रीकी देशों में बढ़ रहे इबोला वायरस के प्रकोप



के बीच उत्तराखंड सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इन अफ्रीकी देशों से आने वाले 55 पर्यटकों की निगरानी भी शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने पर्यटकों की जानकारी ससमय उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

60 दिन के लिए सोनम हाउस अरेस्ट किए गए

लेह। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को 60 दिन के लिए नजरबंद कर दिया गया है और



रैलियों ,जुलूसों में हिस्सा लेने पर रोक लगा दी है। लेह के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट की तरफ से यह आदेश जारी किया गया है।प्रशासन ने पुलिस की एक रिपोर्ट और लेह पुलिस प्रमुख के एक पत्र का हवाला दिया है।

गृहमंत्री शाह ने राहुल पर साधा निशाना, पुणे में लगाए कई आरोप

भारत को बदनाम करने से सत्ता नहीं मिलेगी कांग्रेस को अभी 30 साल इंतजार करना होगा

एजेंसी ▶▶ पुणे

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत, लोकतांत्रिक संस्थानों और प्रधानमंत्री को बदनाम कर रहे

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत, उसके लोकतांत्रिक संस्थानों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों को बदनाम कर रहे हैं। शाह ने कहा कि राहुल गांधी को समझना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर **भारत** को बदनाम करने से उन्हें **सत्ता** नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा **कि** अगर राहुल सत्ता में वापस आना चाहते हैं, तो उन्हें विदेश जाना बंद करना होगा। उन्हें भारत के गांवों में जाना शुरू करना चाहिए। शाह ने कहा, मैं राहुल **को एक** सलाह देना चाहता हूं। इस त**रह अंतरराष्ट्रीय** मंचों पर भारत को बदनाम करके आपको सत्ता नहीं मिलेगी। अगर आपको सत्ता चाहिए, तो विदेश यात्राएं बंद कीजिए और भारत के गांवों में जाना शुरू कीजिएए तब शायद किसी दिन आपका मौका आ सकता है।

पुणे में सहकार भवन की आधारशिला रखी



शाह ने कांग्रेस नेता को दी सलाह

भारत सम्मेलन में वामपंथी विचारधारा वालों को बुलाया

शाह पुणे में राष्ट्रीय भारी इंजीनियरिंग सहकारी क्षेत्र को फिर से खड़ा करने की पहल की आधारशिला रखने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है। इसी निराशा में पार्टी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश और उसके नेतृत्व को निशाना बना रही है।शाह ने 13 और 14 नवंबर को हैदराबाद में हुए भारत सम्मेलन पर भी तंज क**सा**। इस कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार ने किया था। उन्होंने कहा कि इसमें देश और **विदेश से वामपंथी** विचारधारा को बढ़ावा देने वाले लोगों को बुलाया गया था। शाह ने राहुल का जिक्र करते हुएकहा कि वे भी 'भारत सम्मेलन' में शामिल हुए। यहां उन्होंने भारत विरोधी विचार रखकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश को बदनाम किया। उन्हें समझना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को बदनाम करने से उन्हें सत्ता नहीं मिलेगी। लोगों की समस्या सुननी होगी।

पूरी दुनिया पीएम मोदी की तारीफ कर रही

गृहमंत्री शाह ने कहा कि राहुल अभी जो कर रहे हैं, वह प्रधानमंत्री को बदनाम करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की तारीफ कर रही है। दुनिया भारत की विकास यात्रा को भी देख रही है। प्रदानमंत्री ने देश का नाम ऊंचा किया है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं अपने नेतृत्व से प्रदर्शन पर सवाल करें

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भी अपील की। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को अपनी पार्टी के नेतृत्व से चुनावी प्रदर्शन पर सवाल पूछने चाहिए। शाह ने चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस इसी राजनीतिक तरीके पर चलती रही, तो उसे अगले 30 साल तक सत्ता से बाहर रहना पड़ सकता है।अमित शाह ने कहा कि चुनाव जीतना या हारना राजनीतिक दलों और उनके नेताओं के कामकाज पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को 2004 से 2014 तक 10 साल देश में सरकार चलाने का मौका मिला था। लेकिन उसके कार्यकाल में 12 लाख करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ। शाह ने कहा कि आखिरकार जनता ने मोदी को प्रधानमंत्री बनाया।

मोदी सरकार के 12 साल के कामकाज ने रिकॉर्ड बनाए

अशाह ने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 12 साल में भ्रष्टाचार से मुक्त रिकॉर्ड बनाए रखा है। प्रधानमंत्री पर भ्रष्टाचार का एक छोटा आरोप भी नहीं लगा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के दौरान देश ने कई क्षेत्रों में बड़ी प्रगति की है। इनमें खेती, उद्योगों का विकास, अंतरिक्ष कार्यक्रम, स्टार्टअप व्यवस्था, रेलवे का आधुनिकीकरण, हवाई यातायात की सुविधाएं और शिक्षा शामिल हैं।चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचने से लेकर स्टार्टअप व्यवस्था विकसित करने तक कई काम हुए हैं। रेलवे को फिर से मजबूत किया गया है। हवाई अड्डों की संख्या 76 से बढ़ाकर 150 की गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है और सहकारिता के लिए अलग मंत्रालय बनाया गया है। पिछले 12 साल में कई अहम पहल की गई हैं। शाह ने कहा कि राजनीतिक मतभेदों के कारण देश की छवि और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसकी विश्वसनीयता को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। शाह ने कहा, चाहे सत्तारूढ़ दल हो, विपक्ष हो या कोई अन्य राजनीतिक पार्टी, क्या कोई अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने भारत और उसके प्रधानमंत्री को बदनाम करने को सही ठहरा सकता है?

जनता कांग्रेस को जवाब दे

शाह ने आरोप लगाया कि राहुल अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने भारत के विकास और लोकतंत्र की छवि को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। जब लोग वोट डालने जाएं, तो उन्हें इसका जवाब देना चाहिए।

राहुल विदेश नहीं, गांवों में जाएं

शाह ने कहा देश चाहता है कि राहुल जमीन पर आएं, गांवों में जाएं और लोगों की समस्याओं को समझें। लेकिन मुझे पता है कि कुछ दिनों बाद वह फिर विदेश यात्रा पर चले जाएंगे। इस तरह सत्ता में लौटने की उनकी इच्छा पूरी नहीं हो सकती। शाह ने कांग्रेस पर एक और तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में सहकारी क्षेत्र के लिए अलग मंत्रालय बनाने की मांग उठी थी।

नवीन ने रायपुर में 'गौरव दिवस' मनाया

'दिमागी नक्सलियों'को चेतावनी केंद्र सरकार उन्हें सबक सिखाएगी



एजेंसी ▶▶ रायगढ़

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को लोगों से 'दिमागी नक्सलियों' के प्रति सतर्क रहने की अपील की तथा आरोप लगाया कि इनमें से कुछ लोग कई संगठनों में नेतृत्व के पदों पर बैठे हैं। नवीन ने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार अपने कामों एवं कल्याणकारी योजनाओं के जरिए इन्हें सबक सिखाएगी। वे छत्तीसगढ़ में रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ कस्बे में 'जनजातीय गौरव दिवस' कार्यक्रम को डिजिटल रूप से संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया। नवीन को धरमजयगढ़ में शामिल होना था, लेकिन खराब मौसम के कारण उनका विमान उतर नहीं सका, जिसके चलते उनका दौरा रद्द करना पड़ा।

3 तरह के लोगों से सचेत रहने को कहा

नवीन ने माओवादियों के खिलाफ लड़ाई में जान गंवाने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, बस्तर के जिन इलाकों में पहले लोगों को बंदूक चलाना सिखाया जाता था, वहां अब खेल के मैदान बन गए हैं। वहां बच्चों को खेलकूद और पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जंगलों से हथियारबंद नक्सलियों का सफाया हो चुका है, लेकिन कुछ 'दिमागी नक्सली' अब भी सक्रिय हैं और अलग-अलग संगठनों में नेतृत्व के पदों पर काबिज हैं। उन्होंने लोगों को 3 तरह के लोगों से सावधान रहने को कहा, एक वे जो शहरों में वातानुकूलित कमरों में बैठकर नीतियां बनाते हैं और बच्चों को क्रांति की बातें करने के लिए उकसाते हैं-दूसरे वे जो संविधान का नाम तो लेते हैं, लेकिन लोगों को लोकतंत्र के खिलाफ भड़काते हैं। और तीसरे वे जो ऐसे 'दिमागी नक्सलियों' को अलग-अलग संगठनों के जरिए बढ़ावा देते हैं।

कांग्रेस ने आदिवासियों को केवल वोटबैंक बनाया

नवीन ने कहा कि सरकार अपने कामों और कल्याणकारी योजनाओं के जरिए ऐसे लोगों को सबक सिखाएगी। नवीन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दशकों तक आदिवासी समुदाय को मुख्यधारा से दूर रखा और उनके वोट का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदों के लिए किया। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान ही 'जनजातीय कार्य मंत्रालय' की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा, 'भाजपा आदिवासी समुदाय के लिए काम करती है और उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारियां भी सौंपती है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव

सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस सपा में रार, खींचातानी बढ़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर खींचतान और रार बढ़ गई है।खबरों और अखिलेश यादव के बयान के अनुसार कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से 181 सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। कांग्रेस का तर्क है कि उसने 2024 के लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन और जातीय समीकरणों के आधार पर ये सीटें मांगी हैं।सपा प्रमुख अखिलेश



यादव ने एक्स पर लिखा है,बात सीट की नहीं जीत की है, मुख्य लक्ष्य गठबंधन की जीत है। सपा सांसद शिवपाल सिंह पटेल ने कांग्रेस की 181 सीटों की मांग को अव्यावहारिक बताते हुए कहा है कि कांग्रेस को अधिकतम 50 से 65 सीटों के बीच समझौता करना चाहिए।

ट्राई ने फर्जी कॉल्स पर शिकंजा कसा

3 महीने में 1.24 लाख मोबाइल कनेक्शन और संसाधन बंद किए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने स्पैम और फर्जी कॉल्स पर शिकंजा कसते हुए जुलाई से सितंबर के दौरान लगभग 1.245 लाख से अधिक मोबाइल कनेक्शन और टेलीकॉम संसाधनों पर बड़ी कार्रवाई की है। पहली बार नियम तोड़ने वाले 1,10,325 टेलीकॉम संसाधनों की आउटगोइंग सेवाएं 15 दिन के लिए निलंबित की गईं। बार-बार नियम तोड़ने वाले 13,777 कनेक्शनों को पूरे 1 साल के लिए बंद कर दिया गया।



अनचाहे कमर्शियल मैसेज भेजने वाले 3,725 एसएमएस हेडर ब्लॉक किए गए। 15.29 लाख शिकायतों में 7.23 लाख पर कार्रवाई की। 19.9 अरब संदेहास्पद कॉल्स और एसएमएस की पहचान की। प्रमोशनल कॉल्स के लिए '140' सीरीज, बैंकिंग/इंश्योरेंस सेवाओं के लिए नई सुविधा दी।

चक्रवाती तूफान मचाएगा हलचल



नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी और उससे सटे दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना अवदाब 17 नवंबर तक भीषण चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, तमिलनाडु के उत्तरी तटीय जिलों, पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्र में बारिश होने का अनुमान है। शनिवार को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना अवदाब क्षेत्र उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा और गहरे दबाव में बदल गया।

विपक्ष के नेता राहुल पर भाजपा ने साधा निशाना

प्रवक्ता भंडारी ने कहा

कांग्रेस आदिवासी 'नायकों' से नफरत करती है,बिरसा को श्रद्धांजलि नहीं दी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के बीच भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा



प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर आदिवासी नायकों का अपमान करने और उनसे नफरत करने का आरोप लगाया है। एक्स पर भंडारी ने कांग्रेस नेतृत्व पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि राहुल और पूरे गांधी-वाड्रा परिवार ने बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि नहीं दी। राहुल और कांग्रेस आदिवासी नायकों से नफरत करते हैं।

राष्ट्रीय संयोजक अग्रवाल बोले

राहुल ने 'भारत विरोधी समिट' में लिया हिस्सा, लेकिन श्रद्धांजलि देने नहीं पहुंचे

भाजपा ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता हैदराबाद में आयोजित 'भारत विरोधी समिट' में शामिल हुए, लेकिन आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की जयंती पर संसद भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नहीं आए । कार्यक्रम की तस्वीर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय संयोजक आशीष उषा अग्रवाल ने कहा, राहुल और कांग्रेस आदिवासियों की आवाज और जनजातीय अधिकारों के पैरोकार होने का दावा करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। लेकिन आज वे कहां थे। उन्होंने कहा कि 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के मौके पर राहुल और कांग्रेस श्रद्धांजलि कार्यक्रम से नदारद रहे।

शीतकालीन सत्र दिसंबर के पहले सप्ताह में होने की संभावना

महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक लाने की अटकलें तेज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद का शीतकालीन सत्र दिसंबर के पहले सप्ताह में शुरू होने की संभावना है, जिस दौरान, परिसीमन से जुड़े महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को सरकार अपनी सबसे बड़ी विधायी प्राथमिकता के रूप में पेश कर सकती है। यह सब ऐसे समय में हो रहा है, जब एसआईआर को लेकर राजनीतिक माहौल काफी तनावपूर्ण है। सरकार संविधान संशोधन विधेयक एवं संबंधित महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को पारित कराने को उत्सुक है। इन विधेयकों का उद्देश्य परिसीमन के जरिए लोकसभा की मौजूदा 543 सीट संख्या को बढ़ाकर अधिकतम 850 करना है। इससे 2029 के आम चुनावों से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का रास्ता साफ हो जाएगा।

सरकार के शीर्ष स्तरों पर संभावित तारीखों को लेकर चर्चा शुरू

संख्या बल जुटाना सरकार के लिए चुनौतियों से भरा



सत्र के लिए दिसंबर का पहला हफ्ता संभावित समय के रूप में सामने आ रहा है और शीर्ष स्तरों पर संभावित तारीखों को लेकर बातचीत हुई है। विधेयक को पारित कराने जरूरी संख्या जुटाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। 543 सदस्यों वाले सदन में 361 वोटों की जरूरत होगी। 3 सीटें खाली होने के कारण, अभी सदन में 540 सदस्य हैं। राजग के पास 320 सदस्य हैं और आवश्यक आंकड़ा पार करने के लिए उसे संख्या चाहिए।

सत्र के हंगामेदार रहने के संकेत मिले

राजनीतिक चुनौती केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। विपक्षी दलों ने एसआईआर के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। इससे एक और हंगामेदार सत्र के आसार बने हुए हैं।

केंद्र सरकार को भरोसा विधेयक हो जाएगा पारित

संख्याबल की बाधा पार करने को लेकर आश्वस्त दिख रही है। सरकार के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने भरोसा जताया कि यह विधेयक 15 से 18 मतों के अंतर से पारित हो जाएगा। इस बीच, सरकार द्वारा मानसून सत्र को औपचारिक रूप से सत्रावसान किए बिना जारी रखने के फैसले ने अगली बैठक के समय और उसके आयोजन को लेकर अटकलों को और हवा दे दी है।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक गजेंद्र सिंह राठौड़ के लिए, मुद्रक ताराचन्द कुमावत, महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नंबर 17, मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर (राज.) 302012 से मुद्रित व 12सी, श्री राम नगर विस्तार, स्कीम 12 सी, झोटवाड़ा, जयपुर 331403 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा)। समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No.: RJBIL/26/A5611, प्रबंध सम्पादक- गजेंद्र सिंह राठौड़, मो. 9461119998, E-mail: info@zoomnews.in